घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 98- शनिवार 07- फरवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

बस्तर पंडुम

बस्तर का उत्सव

भव्य शुभारंभ

दिनांक : 7 फरवरी 2026, शनिवार

स्थान : लालबाग मैदान, जगदलपुर

नैसर्गिक सुंदरता एवं समृद्ध जनजातीय संस्कृति से परिपूर्ण
बस्तर की पावन धरा पर माननीय राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी

का

हार्दिक स्वागत, वंदन

अभिनंदन

श्री विष्णु देव साय

माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

संवाद 46814/55

संपादकीय

जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं हैं परीक्षाएं

स्कूलों और जिला स्तर के शिक्षा अधिकारियों को इस पहल के सिद्धांतों को वास्तविकता में बदलने की भी जिम्मेदारी दी गई है। इसके लिए स्कूलों में वेलनेस कमेटियां बनाना,तनाव प्रबंधन और अध्ययन कौशल पर कार्यशालाएं आयोजित करना,अभिभावक-शिक्षक संवाद बढ़ाना और छात्रों की उपलब्धियों को केवल अंकों के बजाय विविध क्षेत्रों में पहचानना जरूरी बताया गया है...

भारत में छात्रों के परीक्षा तनाव को कम करने और सीखने की प्रक्रिया को आनंदमय बनाने के लिए शुरू हुई 'परीक्षा पे चर्चा' पहल आज एक बड़ी जन-भागीदारी बन चुकी है। 2018 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और छात्रों के बीच हुई एक बातचीत से आरंभ हुई यह पहल अब करोड़ों छात्रों,अभिभावकों और शिक्षकों का मार्ग प्रशस्त कर रही है। 2025 में इस कार्यक्रम ने गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाया,जब एक ही महीने में 3.53 करोड़ से अधिक लोगों ने इसमें भागीदारी के लिए पंजीकरण किया। इसकी कुल पहुंच 21 करोड़ से अधिक दर्शकों तक रही,जिसमें विदेश स्थित भारतीय स्कूल भी शामिल थे। यह कार्यक्रम छात्रों को यह संदेश देता है कि परीक्षाएं जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं हैं, बल्कि सीखने की यात्रा का सिर्फ एक प्रमुख चरण हैं।

प्रधानमंत्री बार-बार इस पर जोर देते हैं कि परीक्षा केवल किसी विशेष क्षण में आपकी तैयारी को मापती हैं, जबकि सीखना लगातार और आनंददायक होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में 'आजीवन सीखने' की अवधारणा पर गहराई से जोर दिया गया है। इस कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य यह है कि अंकों का प्रतिशत बच्चे के संपूर्ण व्यक्तित्व को परिभाषित नहीं कर सकता। बच्चों को पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर अलग-अलग कौशल सीखने,नई गतिविधियों को आजमाने और चुनौतियों को डर के बजाय अवसर के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया जाना है।

इस पहल में मानसिक स्वास्थ्य को विशेष महत्व दिया गया है। विशेषज्ञ छात्रों को तनाव कम करने के आसान तरीकों से परिचित करा रहे हैं, जिनमें 5-4-3-2-1 ग्राउंडिंग तकनीक,पर्याप्त नींद,पानी,व्यायाम और ध्यान जैसी स्वस्थ दिनचर्या शामिल हैं। 5-4-3-2-1 इंद्रिय-आधारित ध्यान अभ्यास है, जिसे पांचों इंद्रियों का उपयोग करके विचारों की दौड़ को शांत करने और अंततः उन्हें एक इंद्रिय तक सीमित करने के लिए डिजाइन किया गया है। ऐसा करने से आपका ध्यान चिंता पैदा करने वाले विचारों से हटकर वर्तमान क्षण पर केंद्रित होता है। इस तकनीक को 18वीं शताब्दी में बेट्टी एलिस एरिक्सन ने विकसित किया था। खेल जगत की कई हस्तियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया था कि खेल पढ़ाई में बाधा नहीं,बल्कि तनाव कम करने और ध्यान केंद्रित रखने में मदद करते हैं।

डिजिटल मीडिया के बढ़ते प्रचलन से आशंका व्यक्त की जा रही है कि उससे संज्ञान का ह्रास हो रहा है तथा मानसिक स्वास्थ्य कुप्रभावित हो रहा है। विश्व में 5.66 अरब डिजिटल मीडिया प्रोफाइल हैं। लोग प्रतिदिन डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म पर सामग्री देखने में 15 अरब घंटे व्यतीत करते हैं, जो मानव जीवन के 17 लाख वर्षों से अधिक के बराबर है। अत्यधिक उपयोग से 'डिजिटल डिमेंशिया' में बढ़ोतरी हो रही है,जिसके कारण मस्तिष्क के उन क्षेत्रों में ग्रे मैटर की कमी हो जाती है,जो भावनात्मक विनियमन और आवेग नियंत्रण के लिए जिम्मेदार होते हैं। हम डिजिटल मीडिया को नकारने की स्थिति में नहीं हैं,इसलिए हमें इसके उपयोग के लिए स्वस्थ सीमाएं निर्धारित करनी चाहिए।

तकनीकी विशेषज्ञों ने छात्रों को सलाह दी है कि वे मोबाइल और डिजिटल साधनों को नियंत्रित तरीके से इस्तेमाल करें,ताकि तकनीक मददगार बने, बोझ नहीं। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम अभिभावकों को भी महत्वपूर्ण संदेश देता है कि वे बच्चों का ध्यान केवल अंकों पर न लगाएं,बल्कि सीखने की प्रक्रिया पर केंद्रित रखें। बच्चों की तुलना दूसरों से न करें और अपने घर में ऐसा माहौल बनाएं जहां बच्चे खुलकर अपने डर,चुनौतियों और उम्मीदें साझा कर सकें। अभिभावकों का सहयोगी व्यवहार बच्चों की परीक्षा तैयारी में सबसे ज्यादा मदद करता है।

भारतीय शिक्षा दर्शन में ज्ञान की प्राप्ति को एक एकाकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक साझा पथ माना गया है। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम शिक्षकों से अपील करता है कि वे रटने की संस्कृति से आगे बढ़कर आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा दें। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें छात्र-केंद्रित, तनाव-मुक्त और अनुभवात्मक शिक्षा पर जोर दिया गया है। मूल्यांकन प्रणाली में बदलाव की जरूरत है ताकि परीक्षाएं केवल याद्दाश्त नहीं,बल्कि समझ, अनुप्रयोग और विकास को माप सकें। डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग भी शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने के लिए महत्वपूर्ण माना गया है।

स्कूलों और जिला स्तर के शिक्षा अधिकारियों को इस पहल के सिद्धांतों को वास्तविकता में बदलने की भी जिम्मेदारी दी गई है। इसके लिए स्कूलों में वेलनेस कमेटियां बनाना,तनाव प्रबंधन और अध्ययन कौशल पर कार्यशालाएं आयोजित करना, अभिभावक-शिक्षक संवाद बढ़ाना और छात्रों की उपलब्धियों को केवल अंकों के बजाय विविध क्षेत्रों में पहचानना जरूरी बताया गया है। इसे सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा अभिलेखित एक्जाम वारियर्स जैसे संसाधनों को हर छात्र तक पहुंचाना भी महत्वपूर्ण है। अंततः परीक्षा पे चर्चा मात्र एक कार्यक्रम नहीं,बल्कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसका संदेश स्पष्ट है-परीक्षाएं बोझ नहीं, बल्कि सीखने, बढ़ने और खुद को समझने का अवसर हैं।

इलाज के नाम पर हो रही है लूट

देश की हॉस्पिटल व्यवस्था में मुनाफ़ाख़ोरी,इंश्योरेंस और सरकारी व्यवस्था का दुरुपयोग और आम आदमी की बेबसी...

डॉ. प्रियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा

आज देश की हॉस्पिटल व्यवस्था जिस हालत में पहुँच चुकी है,वह किसी एक व्यक्ति की पीड़ा नहीं,बल्कि करोड़ों आम नागरिकों का साझा अनुभव बनती जा रही है।इलाज,जो कभी सेवा और संवेदना का क्षेत्र माना जाता था,अब धीरे-धीरे मुनाफ़े का ऐसा संगठित उद्योग बन चुका है,जहाँ इंसान की बीमारी से ज़्यादा उसकी जेब,उसका इंश्योरेंस और उसका सामाजिक दर्जा देखा जाता है। बड़े-बड़े निजी अस्पतालों की चमक-दमक,एयर-कंडीशन्ड गलियारे और आधुनिक मशीनें बाहर से भले ही तरक्की का भ्रम पैदा करती हों,लेकिन भीतर एक ऐसी व्यवस्था काम कर रही है जो आम आदमी के लिए किसी आर्थिक यातना से कम नहीं है।

आज अगर कोई साधारण व्यक्ति किसी बड़े अस्पताल में इलाज कराने जाता है,तो सबसे पहला सवाल उसकी बीमारी को लेकर नहीं,बल्कि उसकी भुगतान क्षमता को लेकर होता है। रिसेप्शन पर, एडमिशन काउंटर पर या डॉक्टर से मिलने से पहले ही यह पूछा जाता है कि आपके पास हेल्थ इंश्योरेंस है या नहीं,आप सरकारी नौकरी में हैं या प्राइवेट,कैश में भुगतान करेंगे या कैशलेस। इस एक सवाल के जवाब से मरीज का पूरा इलाज तय हो जाता है। जैसे ही यह स्पष्ट होता है कि मरीज इंश्योरेंस कवर में है या किसी सरकारी/कॉर्पोरेट स्कीम के अंतर्गत आता है, अस्पताल का रवैया पूरी तरह बदल जाता है। इलाज की जगह एक योजनाबद्ध कमाई की प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

इंश्योरेंस होने का मतलब होना चाहिए सुरक्षा, लेकिन आज के समय में यह कई निजी अस्पतालों के लिए खुली छूट का लाइसेंस बन चुका है। ज़रूरत से ज़्यादा महँगी दवाइयाँ लिख दी जाती हैं, जिनके सस्ते और समान प्रभाव वाले विकल्प आसानी से उपलब्ध होते हैं। ऐसे-ऐसे टेस्ट कराए जाते हैं जिनका न तो बीमारी से सीधा संबंध होता है और न ही इलाज की दिशा तय करने में कोई ठोस भूमिका। एमआरआई,सीटी स्कैन, बार-बार की ब्लड जाँच,स्पेशल पैनल टेस्ट–सब कुछ रूटीन के नाम पर जोड़ दिया जाता है। मरीज और उसके परिजन डॉक्टर की बात पर आँख मूँदकर भरोसा करते हैं,क्योंकि उन्हें लगता है कि डॉक्टर उनके भले के लिए ही ऐसा कर रहे हैं,जबकि हकीकत कई बार इससे उलट होती है।

सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है, जब मरीज की हालत में सुधार हो जाने के बावजूद उसे अस्पताल में रोके रखा जाता है। जो मरीज सामान्य परिस्थितियों में चार-पाँच दिन में डिस्चार्ज हो सकता है, उसे जानबूझकर दस-पंद्रह दिन तक भर्ती रखा जाता है। कारण साफ़ है–जितने ज़्यादा दिन भर्ती, उतना ज़्यादा बिल। बेड चार्ज, नर्सिंग चार्ज,डॉक्टर विजिट,दवाइयाँ,

कंज़्यूमेबल्स–हर दिन के साथ बिल फूलता चला जाता है। मरीज की सेहत से ज़्यादा ध्यान अब इस बात पर होता है कि इंश्योरेंस क्लेम की सीमा पूरी तरह इस्तेमाल हो जाए।

इस पूरी प्रक्रिया में आम आदमी सबसे ज़्यादा असहाय होता है। उसे न तो मेडिकल ज्ञान होता है और न ही अस्पताल की जटिल बिलिंग प्रणाली को समझने की क्षमता। अगर कोई सवाल करता है तो उसे डराया जाता है कि इलाज प्रभावित हो सकता है, या फिर तकनीकी शब्दों में ऐसा उलझा दिया जाता है कि वह चुप रह जाना ही बेहतर समझता है। कई बार मरीज के परिजन यह भी महसूस करते हैं कि उन्हें जानबूझकर भ्रम में रखा जा रहा है, लेकिन बीमार व्यक्ति की जान दाँव पर लगी हो तो विरोध करने का साहस बहुत कम लोग कर पाते हैं।

सरकारी अस्पतालों की स्थिति भी कोई बहुत संतोषजनक नहीं है। वहाँ इलाज सस्ता या मुफ्त तो है, लेकिन भीड़, संसाधनों की कमी और अव्यवस्था के कारण मरीजों को घंटों लाइन में लगना पड़ता है। बेड की कमी, स्टाफ की कमी और दवाइयों की अनुपलब्धता के चलते कई लोग मजबूरी में निजी अस्पतालों की ओर रुख करते हैं। इस मजबूरी का फायदा निजी अस्पताल बखूबी उठाते हैं। एक तरह से सरकारी व्यवस्था की कमजोरी,निजी लूट को और मज़बूत कर रही है।

स्वास्थ्य बीमा योजनाएँ,जिनका उद्देश्य आम आदमी को आर्थिक सुरक्षा देना था, आज कई मामलों में उल्टा असर डाल रही हैं। इंश्योरेंस कंपनियाँ और अस्पतालों के बीच एक अघोषित गठजोड़ सा दिखाई देता है, जिसमें मरीज सिर्फ़ एक माध्यम बनकर रह जाता है। फर्जी या बढ़ा-चढ़ाकर बनाए गए बिल,अनावश्यक प्रक्रियाएँ और पैकेज सिस्टम के नाम पर तयशुदा लूट–ये सब अब अपवाद नहीं, बल्कि आम चलन बनते जा रहे हैं। दुखद यह है कि इस पूरे खेल में नैतिकता कहीं पीछे छूट जाती है।

यह भी देखने में आता है कि एक ही बीमारी के इलाज का खर्च अलग-अलग मरीजों के लिए अलग-अलग होता है। जिसके पास इंश्योरेंस नहीं है, उसके लिए इलाज कम खर्च में समेट दिया जाता है,और जिसके पास इंश्योरेंस है, उसके लिए वही बीमारी कई गुना महँगी हो जाती है। इससे बड़ा विरोधाभास और क्या हो सकता है? बीमारी तो एक-सी है,इलाज भी लगभग वही है,लेकिन बिल में ज़मीन-आसमान का अंतर सिर्फ़ भुगतान के स्रोत के कारण।

इस स्थिति का सबसे भयावह पहलू यह है कि धीरे-धीरे लोगों का चिकित्सा व्यवस्था से भरोसा उठता जा रहा है। डॉक्टर,जिन्हें कभी भगवान का दर्जा दिया जाता था,अब शक की नज़र से देखे जाने लगे हैं। हर पर्ची, हर टेस्ट और हर सलाह पर सवाल उठने लगा है कि यह ज़रूरी है या सिर्फ़ कमाई का ज़रिया। यह अविश्वास पूरे समाज के लिए खतरनाक है,क्योंकि बिना भरोसे के कोई भी व्यवस्था लंबे समय तक टिक नहीं सकती।

सरकार की ज़िम्मेदारी यहाँ बेहद अहम हो जाती है। स्वास्थ्य को सिर्फ़ बाज़ार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। सख्त रेगुलेशन,पारदर्शी बिलिंग सिस्टम और प्रभावी निगरानी के बिना निजी अस्पतालों पर अंकुश लगाना मुश्किल है। इलाज की दरों, बेड चार्ज,टेस्ट और दवाइयों की कीमतों पर स्पष्ट और कड़ाई से लागू होने वाले नियम होने चाहिए। इंश्योरेंस क्लेम की प्रक्रिया में स्वतंत्र ऑडिट और शिकायत निवारण की मजबूत व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए, ताकि मरीज को न्याय मिल सके।

इसके साथ-साथ सरकारी अस्पतालों को मज़बूत करना भी उतना ही ज़रूरी है। जब तक आम आदमी को भरोसेमंद,सुलभ और गुणवत्तापूर्ण सरकारी स्वास्थ्य सेवाएँ नहीं मिलेंगी, तब तक वह निजी अस्पतालों की लूट का शिकार होता रहेगा। स्वास्थ्य को खर्च नहीं, बल्कि निवेश मानकर देखना होगा–निवेश,जो देश की सबसे बड़ी पूंजी,यानी उसके नागरिकों के जीवन में किया जाता है।

आखिर में सवाल सिर्फ़ व्यवस्था का नहीं,बल्कि सोच का भी है। क्या हम इलाज को सिर्फ़ मुनाफ़े का साधन मानने को तैयार हैं,या फिर उसे इंसानियत और सेवा से जोड़कर देखना चाहते हैं? अगर समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए,तो वह दिन दूर नहीं जब बीमारी से ज़्यादा डर इलाज के बिल से लगने लगेगा। और जब इलाज डर का कारण बन जाए,तब समझ लेना चाहिए कि व्यवस्था गंभीर रूप से बीमार हो चुकी है–और उसका इलाज अब टालना, पूरे समाज के लिए घातक साबित हो सकता है।

विद्यालय को आनंदघर बनाने में जुटा एक शिक्षक

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

इस समय अगर कोई विषय अंतर्देशीय संवाद के केन्द्र में है, तो वह है शिक्षा,विशेषकर प्राथमिक शिक्षा। प्राथमिक शिक्षा ही किसी बालक-बालिका के समग्र जीवन का आधार है। प्राथमिक शिक्षा की सुदृढ़ नींव पर ही किसी उनकी उच्च शिक्षा एवं जीवन के भव्य भवन का निर्माण सम्भव होता है। किसी बच्चे के भावी जीवन की सुख,शांति,समृद्धि की सुखद राह प्राथमिक शिक्षा से गुजरकर ही जाती है। यदि बच्चों को उसकी प्रारम्भिक शिक्षा काल में प्रेमभरा मधुर आत्मीय परिवेश मिले,जहां वे स्वयं के अनुभव के आधार पर अपने ज्ञान का निर्माण कर सकें,जहां वे अपनी कल्पनाओं के चित्रों पर सुंदर मनोहर रंग भर सकें,जहां खेल-खेल में एक-दूसरे से सीखते-सिखाते वे जीवन के महत्वपूर्ण पाठ पढ़ सकें,तो निर्विवाद कहा जा सकता है कि ये बच्चे अपने जीवन पथ पर बढ़ते हुए सफलता,उपलब्धि एवं विकास के नवल फलक पर अपने पगचिह्न बनाएंगे। तब मानवीय मूल्यों से ओतप्रोत उनका जीवन गर्व,गरिमा एवं गौरव के नूतन नभ में लोक का ललित आख्यान अंकित करेगा, जहां सामूहिकता,समता,समरसता,सहकारिता,लोक तांत्रिकता,न्याय,विश्वास के सितारे अपनी आभा बिखेर रहे होंगे जो शेष समाज को सकारात्मक वातावरण की रचना हेतु प्रेरित कर पथ प्रदर्शन करेंगे। ऐसी प्राथमिक शिक्षा के परिवेश की सर्जना एक आराधना है, समर्पण है और स्वप्न साकार करने की सतत साधना भी। ऐसी ही शैक्षिक साधना के एक समर्पित व्यक्तित्व का नाम है विजय प्रकाश जैन जो राजस्थान के बांसवाड़ा में आनंदमय शिक्षा का इंद्रधनुषी वितान रच रहे हैं,जहां बच्चों के चेहरों पर हर दिन कुछ नया सीख पाने की मुस्कान चमक रही है। विजय प्रकाश जैन के लिए भील समुदाय के उन बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना सहज कार्य नहीं था,जो स्कूल आने वाली पहली पीढ़ी थी या जिनमें से अधिकांश अभिभावकों की शिक्षा बामुश्किल दसवीं तक रही हो। और सबसे बड़ी बाधा तो भाषा की आड़े आती है। बच्चे केवल बागड़ी जानते हैं,और शिक्षक हिंदी; परन्तु संकल्प के धनी विजय जैन जी आत्मविश्वास एवं धैर्य के सेतु से भाषा के इन दो किनारों को जोड़कर शिक्षा की सरस सरिता प्रवाहित करने में सफल होते हैं, जिसमें अवगाहन कर बच्चे आनंदित हैं और अभिभावक भी। शिक्षकीय जीवन के इन खट्टे-मीठे अनुभवों,संघर्ष एवं चुनौतियों, सीखने-सिखाने की यात्रा के कंटकाकीर्ण पथ एवं पड़ाव,निरंतर शैक्षिक नवाचार एवं प्रयोग से उपजी उपलब्धियों एवं आनंद को स्वयं तक सीमित न रख विभिन्न मंचों एवं शैक्षिक संगोष्ठियों में साझा भी करते हैं जो शिक्षकों, अभिभावकों एवं शैक्षिक कार्यकर्ताओं के लिए उपयोगी सिद्ध होता है।

विजय के कक्षा गत अनुभव अपनी जीवंतता, मधुरता,कोमलता,आत्मीयता एवं स्पष्टता से ध्यान आकर्षित करते हैं। शिक्षक का शैक्षिक चिंतन जहां एक ओर बच्चों की सोच,समझ और सीखने की प्रक्रिया में अवलोकन,अनुमान,सम्बंध,तर्क, विश्लेषण,निरीक्षण, परीक्षण एवं निष्कर्ष के पक्ष को गहराई से जोड़ता है, वहीं दूसरी ओर उनके उर्वर मानस भूमि में सामूहिकता,सहकारिता,स्वावलंबन,संस्कार, सत्साहस,श्रमशीलता,संवेदनशीलता,संवाद एवं शांति का बीज बपन भी करता है। उन गतिविधियों में जहां कक्षाओं में विषयगत प्रक्रिया का सरलीकरण है, बच्चों की सक्रिय भागीदारी है; वहीं कुछ नया रच-बुन लेने की संतुष्टि भी। तभी तो उनका विद्यालय बच्चों के लिए उनकी अपनी जगह बन पाया है, जहां उनके सुझाव स्कूल के निर्णयों में प्रतिबिंबित हैं। इन बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि कक्षागत शिक्षण में पाठ्यवस्तु के सहज सम्प्रेषण का माध्यम शिक्षक का बच्चों से सतत संवाद होता है। संवाद के अभाव में पाठ नीरस एवं निष्प्राण हो जाता है। कक्षा में बातचीत बच्चों को विषय बोध करा पाने सर्वथा समर्थ होती है।

किसी शिक्षक का कक्षा शिक्षण, बच्चों से सम्बंध एवं समुदाय के साथ जुड़ाव इस बात पर निर्भर करता है कि उसकी शिक्षा एवं समाज के प्रति दृष्टि, सोच एवं समझ कैसी है,अपने अध्यापन-कर्म के प्रति दायित्व बोध कैसा है। यदि शिक्षा की सतही समझ के साथ कोई शिक्षण करे तो स्वाभाविक है साक्षर दर तो बढ़ेगी, किंतु बेहतर नागरिक निर्माण का कार्य अधूरा ही रहेगा और तब लोक चेतना,संवैधानिक आस्था एवं वैज्ञानिक विवेक सम्पन्न व्यक्ति की निर्मिति सम्भव नहीं पाएगी। आवश्यकता है कि समाज में ओज-तेज समन्वित-ऊर्जस्वित पीढ़ी की सर्जना हो जिसके मन-मस्तिष्क में विज्ञान की छटा हो,हृदय में प्रेम, आत्मीयता एवं करुणा हो,नेत्रों में सामाजिक भेदभाव से मुक्त समता-ममतायुक्त समरस समाज रचना की नवल दृष्टि हो,हाथों में परिश्रम का बल हो और समग्र चिंतन में हो इस धरती को सुंदर सुवासित बनाये रखने का स्वप्न। और ऐसी ही पीढ़ी रच रहे शिक्षक विजय प्रकाश जैन,क्योंकि उनका शिक्षा के प्रति लगाव, दृष्टिकोण एवं समझ उन्हें भीड़ से अलग कर एक विशिष्ट पहचान देती है। उनके शैक्षिक अनुभव बच्चों के लिए विद्यालय में ऐसी जगह बनाते हैं जहां वे हंसते-खिलखिलाते हुए आते हैं, जहां वे बिना डर-भय के अपनी कल्पना की चादर बुनते और मनपसंद रंग भरते हैं, जहां उनकी अपनी भाषा-बोली को महत्व और स्थान हैं,जहां उनकी स्थानीयता का स्पंदन है, जहां बच्चों का लोकजीवन सांसें लेता है। तभी तो बच्चे उन्हें चाहते हैं, पास आना चाहते हैं,क्योंकि उनके हाथ में छड़ी नहीं बल्कि जुगनू हैं जिन्हें वह बच्चों के हाथों में रखना चाहते हैं ताकि बच्चों के चेहरों पर खुशियों का उजाला फैला सके। उनके दूसरे हाथ में चिड़िया हैं,जिसे वह बच्चों के कंधों पर बैठा देना चाहते हैं ताकि वे अपने अर्जित ज्ञान की चहचहाहट से सदियों से पसरे अज्ञान के मौन को वाणी एवं स्वर दे सकें।

विजय प्रकाश जैन के अनुभव में विविधता है और यह विविधता उनकी सक्रिय रचनात्मकता का परिचायक है। एक ओर जहां वह स्कूल में शिक्षकीय दायित्व बोध का सम्यक निर्वहन् कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सामाजिक दायित्व पूर्ति के श्रेष्ठ उदाहरण भी प्रस्तुत कर रहे हैं। बाल विवाह, लैंगिक भेदभाव एवं छुआछूत जैसी समस्यायों के समाधान के लिए वह किसी नायक की प्रतीक्षा नहीं करते, बल्कि स्वयं पहल कर संवाद से समाधान की राह निकालते हैं। यह उनकी शिक्षा और समाज के प्रति गहरी समझ और आत्मिक जुड़ाव को दर्शाता है।

शिक्षा के प्रति उनकी दृष्टि स्पष्ट हैं, शिक्षा का अर्थ मेरे लिए पाठ्यपुस्तकों का पाठ्यक्रम नहीं है, बल्कि एक सपने को सच करने की कोशिश रही है। जिससे हर बच्चा अपने परिवेश,अपनी भाषा, रंग, दुःख-सुख और कल्पना के संसार को खुलकर जी सके।

उनकी कक्षाओं में जीवन स्पंदित हो महक रहा है,मुस्कुरा रहा है। कक्षा का यह मुदित जीवन दुनिया में खुशियां बांटना जानता है क्योंकि शिक्षा व्यष्टि से समष्टि की यात्रा है। उनके अर्जित अनुभव शैक्षिक परिदृश्य में प्रेरणा का प्रफुल्लित परिवेश रचेगा,ऐसा मुझे विश्वास है।

आज कल ऐसा ही होता है...

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर,बिहार

कवि सम्मेलन में हमेशा एक ऐसा सत्र भी आता है जहां सभी को अंगवस्त्र,मोमेंटो देकर सम्मानित किया जाता है और सबसे खास बात कि जो सम्मानित होने जाता है वो अक्सर किसी अनजान को अपना फोन दे देता हैं और कहता है कि मेरी फोटो ले लिजिएगा। इस क्रम में अगर किसी को किसी का नबंर लेना होता, तो वो सबसे पहले उनका फोटो लेता और फोटो भेजने के बहाने फिर नंबर ले लेता है। हाय,हैलो बोल-बोलकर बात करने की शुरुआत करता हैं और फिर बिन सिर-पैर की बातें करता है। लेकिन कभी-कभी जिंदगी में कुछ लोग ऐसे भी मिल जाते हैं जिसकी कहानी आपको रूला देती हैं। ऐसे हमारी कविताएं,कहानियां अक्सर मोहब्बत पर होती हैं और मोहब्बत से हारे व मोहब्बत कर रहे लोग हमारी कविताओं पर तालियां ज्यादा बजाते हैं। वैसे अभी सम्मान का क्रम चल ही रहा था तभी एक कवि से मेरी मुलाकात हो गई जिसने अपनी प्रेम कहानी,मुझे सुनाई। उनकी प्रेम कहानी को सुनकर कुछ देर तो मै थम ही गई, कुछ लिखने की प्रयास की लेकिन उनके आंखों से आ रही आंसूओं को देखकर मै रूक गई। प्रेम कहानी तो नहीं बता सकती लेकिन इतना जरूर कहुंगी कि अगर लड़की को इस बात का विश्वास है कि उसके मां-बाप उसको प्रेम विवाह करने से रूक देगे तो वो कभी जिंदगी में प्यार ना करें और अगर प्यार करें तो सच्चे दिल से करें। पहले प्यार,वादें करके कभी पलटे नहीं क्योंकि मैंने देखा है ना जाने कितने लड़कों को यूं बर्बाद होते। एक पढ़े-लिखे, शिक्षित युवा अक्सर प्यार में हारकर खुदकुशी की कोशिश करते है। प्यार एक खूबसूरत एहसास है, प्यार समर्पण है और प्यार से ही सब है। इसलिए प्यार से व्यापार मत कीजिए और व्यापार में प्यार मत कीजिए।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

छात्रों के तनाव को कम करने और सीखने की प्रक्रिया को आनंदमय बनाने के उद्देश्य से प्रारंभ हुई 'परीक्षा पे चर्चा'

सुभाष बुड़ावन वाला
रतलाम,मध्यप्रदेश

भारत में छात्रों के तनाव को कम करने और सीखने की प्रक्रिया को आनंदमय बनाने के उद्देश्य से प्रारंभ हुई 'परीक्षा पे चर्चा'पहल आज एक व्यापक जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है। वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और छात्रों के बीच संवाद से शुरू हुआ यह कार्यक्रम अब करोड़ों छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को प्रेरित कर रहा है।

वर्ष 2025 में इस पहल ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया, जब एक ही महीने में 3.53 करोड़ से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया और इसकी पहुंच 21 करोड़ से अधिक दर्शकों तक रही,जिसमें विदेशों के भारतीय विद्यालय भी शामिल थे। यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि परीक्षाएं जीवन का अंतिम पड़ाव नहीं, बल्कि सीखने की सतत यात्रा का एक महत्वपूर्ण चरण हैं।वार्षिक परीक्षाएं शिक्षा व्यवस्था का वह आधार हैं,जो पूरे शैक्षणिक सत्र के शिक्षण-अधिगम की प्रभावशीलता को परखती हैं। इनकी सफलता केवल छात्रों के परिश्रम पर निर्भर नहीं करती, बल्कि शिक्षक, विद्यालय और सुव्यवस्थित तैयारी की सामूहिक भूमिका पर आधारित होती है।

शिक्षक इस प्रक्रिया के केंद्र में होते हैं,वे पाठ्यक्रम की सुनियोजित रूपरेखा तैयार करते हैं, समय पर विषयवस्तु पूर्ण कराते हैं और छात्रों को परीक्षा-उन्मुख मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। परीक्षाओं से पूर्व महत्वपूर्ण अध्यायों की पुनरावृत्ति, अभ्यास प्रश्न, मॉडल पेपर और पूर्व वर्षों के प्रश्नों के माध्यम से तैयारी को मजबूत किया जाता है। साथ ही कमजोर छात्रों की पहचान कर उन्हें अतिरिक्त सहयोग देना सीखने की असमानता को कम करता है। विद्यालय स्तर पर अकादमिक कैलेंडर,समय-सारिणी, आंतरिक मूल्यांकन, अभ्यास परीक्षाएं तथा अनुशासनात्मक व्यवस्थाएं इस प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाती हैं। प्रश्नपत्रों की गोपनीयता, स्वच्छ परीक्षा कक्ष, पारदर्शी मूल्यांकन और उत्तर पुस्तिकाओं के समुचित प्रबंधन जैसी व्यवस्थाएं परीक्षा की विश्वसनीयता सुनिश्चित करती हैं।

अभिभावकों के साथ सतत संवाद भी छात्रों को मानसिक रूप से तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि परीक्षा की तैयारी रटने तक सीमित न रहे, बल्कि समझ-आधारित हो। अवधारणा-स्पष्टीकरण,उदाहरण,चार्ट,प्रयोग और समूह चर्चा जैसी शिक्षण विधियां छात्रों में गहन समझ विकसित करती हैं। साथ ही समय प्रबंधन,उत्तर लेखन कौशल, प्रश्नों की सही व्याख्या और तनाव प्रबंधन पर ध्यान देना भी उतना ही आवश्यक है।

निस्संदेह, वार्षिक परीक्षाएं छात्रों में अनुशासन,निरंतर अध्ययन की आदत और लक्ष्य के प्रति गंभीरता विकसित करती हैं। वहीं शिक्षकों और विद्यालयों के लिए यह आत्ममूल्यांकन का अवसर होती हैं कि उनकी शिक्षण रणनीतियां कितनी प्रभावी रही हैं। इस प्रकार शिक्षक, विद्यालय और सुनियोजित परीक्षा तैयारी का समन्वय परीक्षाओं को केवल अंक प्राप्ति का माध्यम नहीं,

15 फरवरी के बाद वर्ष 2025-26 के बजट की प्रावधानिक राशि से क्रय पूर्ण प्रतिबंध

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

राज्य की वित्तीय स्थिति को संतुलित बनाए रखने के उद्देश्य से वित्त विभाग द्वारा स्थायी निर्देश जारी किए गए हैं। नए निर्देशों के अनुसार प्रदेश में 15 फरवरी, 2026 के बाद वर्ष 2025-26 के बजट प्रावधानों से किसी भी प्रकार की नई सामग्री की खरीदी या क्रय आदेश जारी करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। वित्त विभाग के इस आदेश का मुख्य उद्देश्य राज्य की वित्तीय स्थिति को संतुलित रखना है। यह देखा जाता है कि वित्तीय वर्ष के अंतिम महीनों में अनेक विभागों द्वारा जल्दबाजी में केवल बजट उपयोग करने की दृष्टि से आवश्यकता न होने पर भी सामग्री क्रय की जाती है जिससे शासन की राशि अनावश्यक रूप से अवरूद्ध हो जाती है, जिसे वित्त विभाग ने शासन के हित में अनुचित माना है। नए नियमों के तहत विभागों को न केवल 15 फरवरी के बाद नए ऑर्डर देने से रोका गया है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि 15 फरवरी तक जारी किए गए सभी ऑर्डर्स का भुगतान हर हाल में 15 मार्च, 2026 तक

पूरा कर लिया जाए। हालांकि, जनहित और आवश्यक सेवाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने कुछ महत्वपूर्ण मदों को इस प्रतिबंध से मुक्त रखा है। जिसमें केन्द्रीय क्षेत्रीय योजना, केन्द्र प्रवर्तित योजना (केन्द्रांश प्राप्त होने पर आनुपातिक राज्यांश सहित कुल राशि में से तथाSNA SPARSH हेतु), विदेशी सहायता प्राप्त परियोजना, केन्द्रीय वित्त आयोग की अनुशंसा पर प्राप्त अनुदान, नाबार्ड पोषित योजना, सिडबी, राष्ट्रीय आवास बैंक तथा विशेष केन्द्रीय सहायता पोषित परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु क्रय की जाने वाली सामग्री पर यह नियम लागू नहीं होगा। इसी प्रकार निर्माण विभागों (लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा) एवं वन विभाग से संबंधित चालू परियोजनाओं में भंडार की स्थिति का आंकलन करने के उपरांत आगामी एक माह में उपयोग आने वाली सामग्री।जेलों, शासकीय एवं राज्य कर्मचारी बीमा योजनान्तर्गत चल रहे अस्पतालों तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित छात्रावासों व आश्रमों में भोजन, कपड़ा, दवाईयों का क्रय तथा अन्य प्रासंगिक व्यय। पोषण आहार हेतु आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्रदाय किए जा रहे खाद्यान का क्रय तथा परिवहन। आसवनियों से खरीदी गई देशी मदिरा का क्रय। पेट्रोल, डीजल, वाहन मरम्मत एवं प्रतिस्थापन मद से वाहनों के क्रय से संबंधित व्यय। लेखन सामग्री से संबंधित क्रय रूपये 5,000 तक के। रूपये 5,000 तक अन्य आकस्मिक क्रय के देयक, प्रथम अनुपूरक अनुमान में किये गये वाले प्रावधानों के विरूद्ध क्रय पर यह नियम लागू नही होगा। 15 फरवरी 2026 या इसके पश्चात वित्त विभाग द्वारा दी गई स्वीकृति से किए गए क्रय। जारी आदेश के फलस्वरूप 15 फरवरी 2026 के पश्चात से चालू वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक क्रय के लिए विभिन्न स्तरों पर छत्तीसगढ़ वित्तीय अधिकारों के प्रत्यायोजन भाग-1 एवं 2 में प्रदत्त शक्तियों अधिक्रमित रहेंगी। निर्देशों में किसी प्रकार का शिथिलीकरण केवल वित्त विभाग की अनुमति से किया जा सकेगा। उपरोक्त प्रतिबंध लोकभवन सचिवालय, छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय, मुख्यमंत्री निवास तथा मुख्यमंत्री सचिवालय (पेंट्री), माननीय उच्च न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालयों पर लागू नहीं होगा।

सरगुजा में फिर बढ़ी ठंड,अंबिकापुर का तापमान 8.4 डिग्री दर्ज...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पडने के बाद सरगुजा संभाग में एक बार फिर उत्तरी सर्द हवाओं का असर तेज हो गया है। इसके चलते पाट क्षेत्रों से लेकर मैदानी इलाकों तक कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पाट इलाकों में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री के आसपास बना हुआ है, जबकि अंबिकापुर में यह गिरकर 8.4 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी पांच दिनों तक ठंड का असर बना रह सकता है और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहने की संभावना है। बीते दिनों पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय रहने से न्यूनतम तापमान बढ़कर 11 डिग्री तक पहुंच गया था। मंगलवार को सोनहत सहित कई क्षेत्रों में बारिश के साथ ओले गिरने के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई। अब पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कम होते ही उत्तरी हवाएं तेजी से प्रवेश कर

रही हैं। दिन और रात के तापमान में करीब 20 डिग्री तक का अंतर लोगों के स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है। रातें अत्यधिक सर्द होने से सर्दी, खांसी और वायरल जैसी मौसमी बीमारियों के मरीज बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने, सावधानी बरतने और मौसम के अनुसार दिनचर्या अपनाने की सलाह दी है। अधिकतम तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं आने का अनुमान है। मौसम विज्ञानी एएम भट्ट ने बताया कि आने वाले दिनों में नया सिस्टम सक्रिय होने पर न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है। 10 फरवरी के बाद ठंड से कुछ राहत मिलने की संभावना जताई गई है।

तालाब में मिला दो दिन से लापता युवक का शव,परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र के सत्तिपारा इलाके में दो दिन से लापता युवक का शव जोड़ा तालाब में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान पुरुषोत्तम यादव के रूप में हुई है, जो सत्तिपारा में रहकर बिजली और पेंटिंग का काम करता था। शव तालाब में मिलने की सूचना के बाद मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। परिजनों का आरोप है कि दो दिन पहले युवक का कुछ लोगों के साथ झगड़ा हुआ था। इसके बाद उसकी हत्या कर शव तालाब में फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर किसी प्रकार की गंभीर चोट के निशान नहीं मिले हैं। आशंका है कि युवक शराब के नशे में तालाब में गिर गया होगा। बताया जा रहा है कि वह शराब पीने का आदी था। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस पीएम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होने की बात कह रही है।

सूने मकान में चोरी,खरीदार सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र में सूने गोदाम से हुई चोरी के मामले में पुलिस ने खरीदार समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 2 लाख रुपए का मशरूका जब्त किया है। पुलिस के अनुसार प्रार्थी अशोक कुमार अग्रवाल निवासी बनारस रोड जवाहर मार्केट ने 4 फरवरी को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 3-4 फरवरी की दरम्यानी रात अज्ञात चोर गोदाम का दरवाजा तोडक़र अंदर घुसे और समरसीबल पंप, कटर, ग्राइंडर, मोटर, एल्यूमिनियम के टुकड़े सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत 70 हजार रुपए बताई गई। मामले में गांधीनगर पुलिस ने अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जांच के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी तनुज चौबे (26) निवासी बाजार के पास गांधीनगर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने चोरी की घटना स्वीकार करते हुए बताया कि चोरी का सामान बोरे में भरकर परिचित ऑटो चालक विक्की राय के साथ मिलकर ऑटो में लोड किया गया। इसके बाद चोरी का माल सदर रोड स्थित बर्तन दुकानदार अंबिकेश गुप्ता को बेच दिया गया। पुलिस ने आरोपी विक्की राय (30) निवासी फुंदुलडिहरी बनारस रोड और खरीदार अंबिकेश गुप्ता (42) निवासी अग्रसेन चौक को भी गिरफ्तार किया।

बस स्टैंड शराब दुकान के सामने 5 लोग मिलकर युवक को पीटा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

शहर के बस स्टैंड स्थित विदेशी मदिरा दुकान के सामने एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि शराब खरीदने पहुंचे युवक से मामूली विवाद के बाद 4 से 5 युवकों ने मिलकर उसको जमकर पिटाई कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवकों ने लात-घूंसों से हमला किया, जिससे युवक को चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस को सूचना दे दी गई है और मामले की जांच की जा रही है।

प्रतिबंधित ई सिगरेट,वेप एवं फ्लेवर लिक्विड बिक्री के 02 मामलों मे 02 आरोपी गिरफ्तार

55 हजार का प्रतिबंधित नशीला पदार्थ सहित चाइनीज चाकू जप्त..

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 05/02/26 को थाना मणीपुर पुलिस को मुखबीर सूचना प्राप्त हुआ कि जिला अस्पताल रोड मणीपुर स्कूल के सामने अमित मोबाईल व गिफ्ट गैलरी के संचालक द्वारा इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट एवं उसके साथ में उपयोग में आने वाली वस्तुओ का दुकान में रख कर बिक्री किया जा रहा है, जो पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही कर मौक़े पर पहुंचकर देखा गया जो अमित मोबाईल व गिफ्ट गैलरी दूकान का संचालक उपस्थित मिला जिससे पूछताछ करने पर अपना नामा (01)अमित अग्रवाल आत्मज सुरेश अग्रवाल उम्र 35 वर्ष साकिन जिला अस्पताल रोड मणीपुर थाना मणीपुर का होंना बताया, दुकान संचालक से इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट एवं उसके साथ में उपयोग में आने वाली नशीली वस्तुओ के संबंध में पूछताछ किया गया जो संचालक द्वारा दुकान मे इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट एवं फ्लेवर रखकर बिक्री करना बताया गया, आरोपी के निशानदेही पर दुकान मे रखा फलेवर लिक्वीड 148 नग किमती 14100 रुपये, 16 नग वेप, ई सिगरेट 02

नग, 12 नग brain freczer फ्लेवर कुल कीमती 49400/- रुपये तथा चाईना चाकू 40 नग जप्त किया गया। इलेक्ट्रॉनिक ई सिगरेट एवं फ्लेवर लिक्विड बिक्री के दूसरे मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 05/02/26 को जिला आबकारी उडनदस्ता टीम सरगुजा एवं थाना कोतवाली पुलिस टीम को मुखबीर द्वारा सूचना प्राप्त हुआ कि स्कुल रोड वाणीदुत एसटीडी पीसीओ के सामने सुशील कुमार केशरी अपने पान ठेला व डेली निडस के दुकान में इलेक्ट्रानिक सिगरेट का विक्रय करता है कि सूचना पर त्वरित कार्यवाही कर मौक़े पर पहुंचकर रेड कार्यवाही किया गया, जो पान ठेला व डेलीनीडस के दुकान संचालक मौक़े पर उपस्थित मिला जिससे पूछताछ करने पर अपना नाम सुशील कुमार केशरी आत्मज स्व. प्रेमचंद केशरी उम्र 35 वर्ष साकिन वाणीदूत स्टूडियो के सामने अंबिकापुर का होना बताया, दुकान संचालक से पूछताछ करने पर अपने डेलीनीडस के दुकान में इलेक्ट्रानिक सिगरेट रखना व विक्रय करना स्वीकार किया साथ ही दुकान से इलेक्ट्रानिक सिगरेट का 24 नग रिफिल प्रत्येक का कीमत 40 रुपये कुल किमती 960 रु. तथा 10 नग फलेवर प्रत्येक का किमत 400 रुपये कुल कीमती 4000 रु. जुमला कीमती 4960/- रुपये को निकालकर पेश किया जिसे पुलिस टीम द्वारा जप्त किया गया। दोनों प्रकरणों मे आरोपियों द्वारा अपने मोबाइल दुकान एवं डेली नीडस के दुकान में इलेक्ट्रानिक सिगरेट रिफील व फलेवर रखना व बिक्री करना तथा युवाओ के द्वारा इलेक्ट्रानिक सिगरेट का उपयोग करने से लोक स्वास्थ्य पर खतरा होना पाये जाने से इले. सिगरेट (उत्पाद, विनिमार्ण, आयात, निर्यात, परिवहन, विक्रय वितरण, भण्डारण और विज्ञापन प्रतिषेध अधि. 2019 की धारा 7. 8 व बीएनएस की धारा 270, कोटपा एक्ट की धारा 6 ख का घटित करना पाये जाने से मौके पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की गई साथ ही आरोपियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर इस्तगासा पेश किया गया है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा भावी पीढ़ी को नशे की लत से बचाने एवं ऐसे नशे के विरुद्ध जागरूक करने हेतु मामले को संज्ञान मे लेकर जिले के सभी शैक्षणिक संस्थान प्रमुख प्रधानाचार्य, प्राचार्यो, संचालको एवं छात्र छात्राओं के परिजनों/ संरक्षको से अपील जारी कर कहा है कि ई सिगरेट एवं फ्लेवर लिक्विड की लत भावी पीढ़ी को प्रभावित कर रही है, ई सिगरेट से होने वाली हानि के बारे मे हमारी युवा पीढ़ी को जागरूक करना आवश्यक है, युवाओं/छात्र छात्राओं को सचेत करने नशे की लत से छुटकारा दिलाने के क्रम मे समाज का साथ आवश्यक है, ताकि इस प्रतिबन्ध को धरातल पर पूर्ण रूप से लागु किया जा सके, इस प्रकार की नशे से सम्बंधित किसी भी प्रकार की सार्थक सूचना पर आमनागरिक कंट्रोल रूम के नंबर 9479193599 पर अपनी शिकायत अथवा सूचना दर्ज करा सकते है। उपरोक्त कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री अमोलक सिंह ढिल्लों एवं नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर श्री राहुल बंसल (भा.पु.से.) के नेतृत्व मे एवं जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, थाना प्रभारी मणीपुर उप निरीक्षक सी. पी.तिवारी, थाना कोतवाली से उप निरीक्षक विजय गुप्ता, सहायक उप निरीक्षक अदीप प्रताप सिंह, सहायक उप निरीक्षक अनिल पाण्डेय, प्रधान आरक्षक छत्रपाल सिंह, आरक्षक लालबाबू सिंह सत्येंद्र दुबे, रामशंकर यादव, उमाशंकर साहू, अनिल सिंह, घनश्याम राजवाड़े एवं जिला आबकारी उडनदस्ता टीम सक्रिय रहे।

देव होटल के पास फायरिंग की अफवाह से हड़कंप

पुलिस ने कहा-गोली नहीं चली,दो गुटों में पुराना विवाद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

शहर के बीचो-बीच देव होटल के समीप शुक्रवार शाम फायरिंग की सूचना से अफरा-तफरी मच गई। खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। सूचना पर पुलिस टीम भी तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने फायरिंग की घटना से साफ इनकार किया है। एडिशनल एसपी अमोलक सिंह ढिल्लो ने बताया कि देव होटल के पास गोली चलने जैसी कोई घटना नहीं हुई है। गांधीनगर थाना क्षेत्र के पीजी कॉलेज के पास शाम करीब 5.30 बजे दो गुटों के बीच पुराना विवाद सामने आया।

इसी दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की गाड़ी पर डंडा फेंका था। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। फायरिंग की सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के अलावा सीएसपी राहुल बंसल, डीएसपी अश्वनी सिंह, कोतवाली थाना प्रभारी शशिकांत सिन्हा,गांधीनगर थाना प्रभारी प्रवीण द्विवेदी सहित अन्य पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे।

पुलिस अधिकारियों ने देव होटल के भीतर बैठकर भाजपा नेता अनिल सिंह और होटल संचालक से भी बातचीत की। पुलिस इसे अफवाह बता रही है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि देव होटल परिसर के अंदर दो राउंड फायरिंग हुई थी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

संभाग स्तरीय रोजगार मेले का 16 एवं 17 फरवरी को होगा आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

उपसंचालक रोजगार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन सरगुजा संभाग में 16 एवं 17 फरवरी 2026 को किया जाएगा। रोजगार मेले का आयोजन शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज अम्बिकापुर में किया जाएगा। जिसमें निजी क्षेत्र एवं तकनीकी एवं गैर तकनीकी के रिक्तियों पर साक्षात्कार लिया जाएगा। संभाग स्तरीय रोजगार मेला हेतु सरगुजा संभाग के समस्त शिक्षित युवाओं को रोजगार मेला में सहभागिता हेतु ऑनलाइन पोर्टल https://erojgar.cg.gov.in पर रोजगार पंजीयन एवं रोजगार मेले हेतु पंजीयन दोनों ही आवश्यक है। ऐसे आवेदक जिन्होंने ऑनलाइन पोर्टल ई-रोजगार पर अपना पंजीयन नहीं कराया वे विभागीय पोर्टल पर अपना पंजीयन करवा सकते हैं। 09 फरवरी 2026 से वेबसाइट पर रिक्तियां प्रदर्शित होंगी। आवेदक 16 फरवरी एवं 17 फरवरी 2026 को अपने समस्त शैक्षणिक योग्यता,पासपोर्ट साईज फोटो,पहचान पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र इत्यादि दस्तावेजों के साथ निर्धारित स्थल पर उपस्थित होकर विभिन्न रिक्तियों में सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं।

प्राचार्य ने स्कूल को अय्याशी का अड्डा बनाया छात्रा के साथ करता है अनुचित हरकत

-संवाददाता-
वाड्रफनगर, 06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

वाड्रफनगर से डरा देने वाली खबर सामने आई है। यह खबर बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी हुई है। यह खबर डरा देने वाली इसलिए है क्योंकि, जिस स्कूल में गुड टच बैड टच के बारे में सिखाया जाता है, उसी स्कूल के प्रिसिंपल यानी की प्राचार्य पर छात्रा ने बैड टच का आरोप लगाया है। दरअसल, वाड्रफनगर क्षेत्र से एक गंभीर और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक स्कूल की नाबालिग छात्रा के साथ कथित बैड टच का आरोप स्कूल के प्राचार्य पर लगा है। इस घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और अभिभावकों में भी काफी आक्रोष देखा जा रहा है। पीड़ित छात्रा ने अपने परिजनों के साथ वाड्रफनगर पुलिस चौकी पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है।

ट्रैफिक सिग्नल स्थलों पर बैनर...पोस्टर और होर्डिंग हटाने के लिए चलाया गया विशेष अभियान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

नगर पालिक निगम अम्बिकापुर द्वारा शहर के विभिन्न चौक-चौराहों एवं तिराहों पर स्थापित ट्रैफिक सिग्नलों के आसपास लगाए गए विज्ञापन पोस्टर, बैनर एवं होर्डिंग हटाने हेतु आज विशेष अभियान चलाया गया। ज्ञात हो कि निगम द्वारा दिनांक 03 जनवरी 2024 को समाचार पत्रों में प्रकाशन के माध्यम से रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत ट्रैफिक सिग्नलों पर विज्ञापन

प्रदर्शन, स्थापना, संचालन एवं संधारण का कार्य एजेंसी को प्रदान किया गया है। शर्तों के अनुसार राघव एडवरटाइजिंग, रायपुर द्वारा प्रति चौक 14,251 रुपए वार्षिक विज्ञापन शुल्क निगम में जमा करते हुए ट्रैफिक सिग्नलों की स्थापना एवं संधारण का कार्य किया जा रहा है। नगर निगम कमिश्नर श्री डी एन कश्यप ने बताया कि शहर विभिन्न ट्रैफिक सिग्नल स्थलों पर लगाए गए विज्ञापनों को समय-समय पर हटाने की कार्रवाई की जाती है। इसी क्रम में आज पुनः विशेष अभियान चलाकर चौक-चौराहों से सभी बैनर,पोस्टर होर्डिंग सामग्री हटाने की कार्रवाई की जा रही है। निगम प्रशासन ने नागरिकों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों एवं विज्ञापन एजेंसियों से अपील की है कि बिना अनुमति किसी भी सार्वजनिक स्थल पर पोस्टर, बैनर या होर्डिंग न लगाएं। उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

CMYK

सेमेस्टर परीक्षा के बीच महाविद्यालय बना शादी स्थल!

बैकुंठपुर पीजी कॉलेज में आयोजन से उठे गंभीर सवाल

बिना अनुमति समारोह कराने के आरोप, तीन दिनों तक शोर-शराबे से पढ़ाई प्रभावित-छात्रों ने प्रबंधन की भूमिका पर उठाए सवाल

परीक्षा के बीच शादी समारोह छात्रों की बढ़ी परेशानी

-संवाददाता-

बैकुंठपुर,06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुंठपुर में सेमेस्टर परीक्षाओं के दौरान विवाह समारोह आयोजित किए जाने का मामला सामने आया है, बताया जा रहा है कि तीन दिनों तक कॉलेज परिसर में शादी की तैयारियां और कार्यक्रम चलते रहे, जिससे परीक्षा देने आए छात्र-छात्राओं को शोर-शराबे और भीड़भाड़ के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। छात्रों का कहना है कि परीक्षा के दौरान अपेक्षित शांति नहीं मिल सकी, जिससे पढ़ाई और एकाग्रता प्रभावित हुई।

प्राचार्य की अनुमति पर उठे सवाल

इस पूरे आयोजन को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि आखिर किस अधिकार से महाविद्यालय परिसर निजी समारोह के लिए उपलब्ध कराया गया, छात्रों और स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि क्या प्राचार्य स्तर पर अनुमति दी गई थी या फिर बिना सक्षम अनुमति के ही आयोजन हुआ, यदि अनुमति दी गई तो परीक्षा अवधि में ऐसा निर्णय क्यों लिया गया – यह अब जांच का विषय बनता जा रहा है।

पहले से छोटा हो चुका है कॉलेज परिसर

महाविद्यालय की कुछ भूमि पहले ही नवीन पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण के लिए दिए जाने के कारण परिसर सीमित हो चुका है, ऐसे में शेष बचे शैक्षणिक क्षेत्र का उपयोग निजी आयोजनों के लिए होना छात्रों को असहज कर रहा है, विद्यार्थियों का कहना है कि यदि इस तरह की परंपरा जारी रही तो भविष्य में महाविद्यालय का उपयोग शादी घर या अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के लिए नियमित रूप से होने लगेगा, जिससे शैक्षणिक माहौल प्रभावित होगा।

छात्रों की नाराज़गी-'पढ़ाई से ज्यादा प्राथमिकता समारोह को? छात्रों का आरोप है कि परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण समय में भी प्रबंधन ने शैक्षणिक वातावरण की अनदेखी की। कई विद्यार्थियों ने सवाल उठाया कि जब परीक्षाएं चल रही थीं, तब कॉलेज परिसर में लाउडस्पीकर, सजावट और वाहनों की आवाजाही कैसे अनुमति दी गई, उनका कहना है कि यह निर्णय छात्रों के हितों के विपरीत है और इससे संस्थान की छवि पर भी असर पड़ता है।

क्या शैक्षणिक संस्थानों में निजी आयोजन उचित?

शिक्षा से जुड़े जानकारों का मानना है कि स्कूल और महाविद्यालय जैसे संस्थानों का उपयोग केवल अकादमिक गतिविधियों तक सीमित रहना चाहिए, निजी और पारिवारिक आयोजनों से संस्थान का अनुशासन और गरिमा प्रभावित होती है, खासकर तब जब परीक्षाएं जारी हों, इस घटना ने यह बहस फिर से छेड़ दी है कि क्या सरकारी शैक्षणिक परिसरों का उपयोग इस तरह के समारोहों के लिए किया जाना चाहिए।

जांच और कार्रवाई की मांग...

छात्रों और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है, उनका कहना है कि यदि नियमों का उल्लंघन हुआ है तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में परीक्षा के दौरान ऐसी स्थिति दोबारा न बने और महाविद्यालय का शैक्षणिक माहौल सुरक्षित रहे।

महिला मोर्चा सरगुजा जिला कार्यकारिणी की घोषणा

जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की सहमति से महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शुभांगी बिहाड़े ने की नई टीम की घोषणा

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी सरगुजा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की सहमति से भाजपा महिला मोर्चा सरगुजा की जिलाध्यक्ष शुभांगी बिहाड़े द्वारा महिला मोर्चा जिला पदाधिकारियों, जिला कार्यसमिति सदस्यों, विशेष आमंत्रित सदस्यों, स्थायी आमंत्रित सदस्यों एवं महिला मोर्चा मंडल अध्यक्षों की नव नियुक्ति की घोषणा की गई है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए जिला महामंत्री विनोद हर्ष एवं श्रीमती अरुणा सिंह ने बताया कि उपाध्यक्ष पद पर रश्मि जायसवाल, अनुराधा गोस्वामी, आनंदी बड़ा एवं गुंजन सिंह , महामंत्री पद पर नीलू गुप्ता एवं प्रियंका चौबे, मंत्री पद पर चूड़ामणि दास, संध्या जायसवाल, गीता राजवाड़े, अंजना गुप्ता एवं बीना दुबे को नियुक्त किया गया है । इस प्रकार कोषाध्यक्ष सरिता जायसवाल, सह कोषाध्यक्ष स्नेहलता गुप्ता, कार्यालय मंत्री गणेश्वरी चौहान, सह कार्यालय मंत्री हेमलता शर्मा, मीडिया प्रभारी रीना भारती, सह मीडिया प्रभारी नेहा सोनवानी, सोशल मीडिया प्रभारी बबली नेताम, सह सोशल मीडिया प्रभारी मीरा जायसवाल, सह सोशल मीडिया प्रभारी महेश्वरी दास एवं मन की बात प्रभारी पद का दायित्व बुद्धमेत कुजुर को दिया गया है। आगे उन्होंने बताया कि कार्यसमिति सदस्यों में मुनेश्वरी पैकरा, रीना पैकरा, चंचल पैकरा, मिनका पावले, रानी सोनी, शारदा कश्यप, नेहा गोस्वामी, प्रीति सिंह, सुधा शर्मा, सीमा उपाध्याय, सावित्री साहू, संजीता खलखो, अर्पणा सिंह, संतोला सिंह, मीरा बैरागी, जसिन्ता बड़ा, उर्मिला यादव, पारसमनी, देवेन्द्र प्रजापति, मालती दास, सरिता कंसारी, रेशु सिंह पैकरा, मनीषा पैकरा, विमला सिंह पैकरा, देवेन्द्र राजवाड़े, समरमति सिंह, विनीता भगत, बंदना दुबे, राखी सोनी, नानमणी पैकरा, दिव्या सिंह सिसोदिया, पायल सिंह तोमर एवं राधा रवि शामिल हैं । इसी क्रम में विशेष आमंत्रित सदस्य के लिए तारा पाण्डेय, नीरू मिस्त्री, नंदनी सिंह, श्वेता गुप्ता, ममता तिवारी, प्रियंका गुप्ता, किरण सिंह तोमर, अनिता भारती, पुनम मिश्रा, विनय प्रभा, शुभ्रा सोनी, सुमन कंसारी, सुषमा गुप्ता, विमला सोनी एवं किरण साहू चुना गया है । स्थायी आमंत्रित सदस्य में शकुंतला पाण्डेय, सारोज गुप्ता, मंजूषा भगत, फुलेश्वरी सिंह, अरुणा सिंह, निरूपा सिंह, किरण मिश्रा, माया मिश्रा, देवकी त्रिपाठी, सावित्री जायसवाल, पूनम टेकाम, इन्दू कश्यप, सुनिता राजवाड़े, मधु चौधरी, ललिता तिक्की, आशा शुक्ला, किरण सोनी, कौशल्या यादव, रजनी बिंद एवं नीलम राजवाड़े को शामिल किया गया है। इसी क्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की सहमति एवं भाजपा मंडल अध्यक्षों की अनुशंसा से महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती शुभांगी बिहाड़े द्वारा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्षों के नाम की घोषणा की गई है, जिसमें महामाया मंडल की मंडल अध्यक्ष सरस्वती यादव, समलाया - शालिनी सिंह, अंबिकापुर ग्रामीण - हिरमेन राजवाड़े, लखनपुर - रजनी पैकरा, देवगढ़ - अनिमा सिंह, रामगढ़ - सरस्वती सिंह, लुंजा - सीमा पैकरा, धौरपुर - रातरानी, परसा - रूपा गुप्ता, दरिमा - अंजंती सिंह, कुन्नी - सरस्वती पैकरा, सीतापुर - संतोषी पावले, बतौली - कमलेश्वरी पैकरा, मैनपाट - बबली महंत, राजापुर - दुर्गावती कश्यप एवं भाजपा मंडल नवानगर की मंडल अध्यक्ष कौशल्या राजवाड़े को बनाया गया है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया एवं महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती शुभांगी बिहाड़े ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों, सदस्यों एवं मंडल अध्यक्षों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षा व्यक्त की।

दो ब्लॉक का जिला और 84 पदाधिकारी! कोरिया कांग्रेस की जंबो कमेटी पर तंज...पनिका समाज में उपेक्षा की चर्चा से बढ़ी सियासी गर्मी

सिपाही कम, सेनापति ज्यादा' वाली तस्वीर? नई कार्यकारिणी सूची के बाद प्रतिनिधित्व और पदों की राजनीति पर उठे बड़े सवाल

-संवाददाता-

कोरिया 06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिला कांग्रेस की नई कार्यकारिणी सूची जारी होते ही संगठन के भीतर संतुलन और प्रतिनिधित्व को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। सूत्रों का दावा है कि पनिका समाज से जुड़े कुछ पुराने कांग्रेस कार्यकर्ता खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं, उनका कहना है कि जिले की सामाजिक और राजनीतिक संरचना में अहम भूमिका निभाने के बावजूद नई टीम में उन्हें अपेक्षित स्थान नहीं मिला। हालांकि पार्टी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में यह मुद्दा चर्चा का केंद्र बन गया है।

'प्रतिनिधित्व या पसंद?' जिलाध्यक्ष पर लगे आरोप

नई सूची के बाद यह आरोप भी सुनाई दे रहे हैं कि जिलाध्यक्ष ने अपने करीबी और अपने समाज से जुड़े लोगों को ज्यादा महत्व दिया है। यह आरोप भले ही औपचारिक रूप से साबित नहीं हुए हों, लेकिन संगठन के भीतर इस तरह की चर्चाएं पार्टी की अंदरूनी राजनीति को उजागर करती नजर आ रही हैं, राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बड़े संगठनों में संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण होता है और छोटी सी असंतुष्टि भी बड़ा विवाद बन सकती है।

'अजब जिला, गजब कमेटी'-पदों की बरसात पर व्यंग्य : दो ब्लॉक वाले जिले में 84 पदाधिकारियों की सूची ने सियासी हलकों में हलचल मचा दी है,नई टीम में –10 उपाध्यक्ष, 10 महामंत्री, 20 संयुक्त महामंत्री, 22 सचिव, 20 कार्यसमिति सदस्य, 1 कोषाध्यक्ष और 2 प्रवक्ता शामिल किए गए हैं, आलोचक इसे 'पदों की सुनामी' बताते हुए तंज कस रहे हैं कि संगठन विस्तार के नाम पर पदों की रेवड़ी बांट दी गई, वहीं पार्टी समर्थकों का कहना है कि ज्यादा लोगों को जिम्मेदारी देकर संगठन को मजबूत करने की कोशिश की गई है।

भाजपा से तुलना ने बढ़ाया राजनीतिक तापमान- कांग्रेस की जंबो सूची की तुलना भाजपा की अपेक्षाकृत छोटी टीम से भी की जा रही है, जहां भाजपा की जिला कार्यकारिणी में करीब 25-30 पदाधिकारी बताए जा रहे हैं, वहीं कांग्रेस की 84 सदस्यीय टीम विपक्ष के लिए तंज का मुद्दा बन गई है। राजनीतिक पर्यवेक्षक इसे 'संगठन विस्तार' और 'असंतोष प्रबंधन' के बीच का संतुलन बता रहे हैं।

आगे क्या — संगठन मजबूत होगा या बढ़ेगा असंतोष?नई कार्यकारिणी के बाद कांग्रेस नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती संगठनात्मक संतुलन बनाए रखना और नाराज कार्यकर्ताओं को साधना होगी। अगर पनिका समाज में उपेक्षा की चर्चा और तेज होती है तो पार्टी को संवाद के जरिए स्थिति संभालनी पड़ सकती है। फिलहाल जिले की राजनीति में यही सवाल गूंज रहा है – क्या इतनी बड़ी टीम संगठन को मजबूती देगी या फिर अंदरूनी खींचतान को और बढ़ाएगी?

मंच छोटा, पदाधिकारी ज्यादा- क्या बनेगी नई चुनौती?

राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि अगर जिला कार्यालय में सभी 84 पदाधिकारियों की बैठक एक साथ बुला ली जाए तो जगह कम पड़ सकती है। व्यंग्यात्मक अंदाज में इसे 'कुर्सियां कम, पदाधिकारी ज्यादा' की स्थिति कहा जा रहा है, कई लोग इसे संगठनात्मक मजबूती से ज्यादा आंतरिक असंतोष को शांत करने की रणनीति बता रहे हैं।

पनिका समाज का सवाल-क्या पार्टी को अब उम्मीद नहीं?

सूत्रों के मुताबिक पनिका समाज से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं का कहना है कि जिले में उनकी निर्णायक भूमिका के बावजूद नई सूची में पर्याप्त स्थान नहीं दिया गया। पहले की टीम में सक्रिय रहे कई नाम इस बार गायब हैं,जिससे नाराजगी की चर्चा तेज है, समाज के लोगों का सवाल है कि क्या पार्टी अब उनसे किसी तरह की राजनीतिक उम्मीद नहीं रखती या फिर प्रतिनिधित्व तय करने में कहीं बड़ी चूक हो गई है।

व्यापार समाचार

रेपो रेट लंबे समय तक निचले स्तर पर बना रहेगा,एफडी पर ब्याज घटेगा : संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली,06 फरवरी 2026 । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि प्रमुख नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट लंबे समय तक निचले स्तर पर बना रहेगा तथा आगे और कमी हो सकती है। आरबीआई ने रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर यथावत रखते हुए अपने रुख को 'तटस्थ' बनाए रखा है। मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेस को संबोधित करते हुए संजय मल्होत्रा ने कहा, ''नीतिगत दरें लंबे समय तक निचले स्तर पर बनी रहेंगी तथा इनमें आगे और गिरावट भी आ सकती है।'' हालांकि, उन्होंने कहा कि ब्याज दरों पर अंतिम फैसला मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) द्वारा लिया जाएगा। केंद्रीय बैंक पिछले वर्ष से अबतक आरबीआई रेपो रेट में 1.25 फीसदी की कटौती कर चुका है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि जमा पक्ष पर नीति दरों में बदलाव का प्रभाव धीमा रहा है और सावधि जमा (एफडी) पर ब्याज दरों में आगे कमी आएगी। भारत के हाल में किए गए मुक्त व्यापार समझौतों के प्रभाव को लेकर किए गए सवाल पर उन्होंने कहा कि ये समझौते अन्य कारकों के साथ मिलकर देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में करीब 0.20 फीसदी का योगदान दे सकते हैं। मल्होत्रा ने कहा कि ट्रेजरी बिल (सरकारी प्रतिभूति) प्रतिफल दर को संभालने में मदद करेंगे। सरकार 11.73 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध उधारी उचित दर पर जुटा सकेगी। डेटा केंद्रों से जुड़े बजट ऐलान पर आरबीआई गवर्नर ने कहा कि इससे बड़ी मात्रा में विदेशी निवेश आएगा।

एक अन्य सवाल के जवाब में मल्होत्रा ने कहा कि पिछले एक वर्ष में चलन में मौजूद मुद्रा में काफी वृद्धि हुई है। वहीं, प्रेस कांफ्रेंस में डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर ने कहा कि आरबीआई सरकार के उधारी कार्यक्रम का प्रबंधन आसानी से कर सकेगा। उन्होंने बताया कि आगामी वित्त वर्ष के दौरान सरकार की सकल उधारी 17.2 लाख करोड़ रुपये और शुद्ध उधारी 11.73 लाख करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को शुक्रवार को 5.25 फीसदी पर यथावत रखते हुए अपने रुख को 'तटस्थ' बनाए रखा। आरबीआई ने अगले वित्त वर्ष 2026-27 की पहली और दूसरी तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को ऊपर की ओर संशोधित किया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 723.77 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली,06 फरवरी 2026। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 जनवरी को समाप्त हफ्ते के दौरान 14.36 अरब डॉलर बढ़कर 723.77 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इससे पिछले हफ्ते में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 8.05 अरब डॉलर बढ़कर 709.41 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 30 जनवरी को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक माने जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 49.3 करोड़ डॉलर घटकर 562.39 अरब डॉलर रह गईं। रिजर्व बैंक के अनुसार इस हफ्ते स्वर्ण भंडार का मूल्य 14.59 अरब डॉलर बढ़कर 137.68 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के मुताबिक 30 जनवरी को समाप्त हफ्ते में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 21.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.95 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित स्थिति भी 4.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.74 अरब डॉलर हो गई। इससे भी पहले सितंबर, 2024 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच गया था।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार,सेंसेक्स 266 अंक उछला

नई दिल्ली,06 फरवरी 2026। शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को हरे निशान पर बंद हुआ। बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक भारी उतार-चढ़ाव के बीच बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। सेंसेक्स 266.47 अंक उछलकर 83,580.40 अंक और निफ्टी 50.90 अंक चढ़कर 25,693.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 266.47 अंक यानी 0.32 फीसदी की उछाल के साथ 83,580.40 अंक पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50.90 अंक यानी 0.20 फीसदी बढ़कर 25,693.70 के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को कारोबारी सेशन में सबसे ज्यादा उछाल आईटीसी के शेयरों में देखने को मिला, जो 5.09 फीसदी उछल कर बंद हुआ, जबकि कोटक बैंक शेयर 3.35 फीसदी चढ़कर बंद हुए। हिंदुस्तान यूनिलिवर के शेयर में 2.63 फीसदी और भारती एयरटेल के शेयर में 2.32 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। वहीं, बजाज फिनसर्व 1.76 फीसदी मजबूत होकर बंद हुआ, जबकि पावर ग्रिड में 1.26 फीसदी की तेजी देखने को मिली। वहीं, टीसीएस के शेयर में सबसे ज्यादा 1.69 फीसदी की गिरावट आई, जबकि टेक महिंद्रा के शेयर में 1.69 फीसदी की गिरावट आई है। अडाणी पोर्ट्स के शेयर 1.32 फीसदी लुढ़क कर बंद हुए, जबकि एशियन पेंट्स में 1.21 फीसदी की कमजोरी आई है। वहीं, इटर्नल (जोमैटो) में 1.20 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। इसके अलावा अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले भारतीय रुपया 36 पैसे टूटकर 90.70 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

कटकोना कॉलरी में चोरों का 'आतंक राज'

» कटकोना कॉलरी में चोरों का 'रात का राज' श्रमिक आवासों की छतों पर तांडव

» तांबे के तार से लेकर घरों के जाल तक साफ, कटकोना में सुरक्षा फेल!

» पुलिस गश्त गायब, चोरों के हौसले बुलंद- एसईसीएल क्षेत्र में दहशत

» एसईसीएल कटकोना में चोरी का आतंक, रातभर छतों पर 'नाच' रहे चोर

» सुरक्षा शून्य,चोरी पूरी स्पीड में-कर्मचारी परिवार डर के साए में

» बंद खदान से श्रमिक घरों तक पहुंचे चोर, प्रशासन पर उठे सवाल

» कटकोना में चोर 'ड्यूटी' पर,सुरक्षा सिर्फ कागजों में!

» जहाँ पुलिस नहीं, वहाँ चोर सही-कॉलरी क्षेत्र में अराजकता

श्रमिक आवासों की छतों पर तांडव,तांबे के तार और लोहे की चोरी से दहशत में कर्मचारी परिवार

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

एसईसीएल सह क्षेत्र कटकोना कॉलरी में इन दिनों चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, हालात इतने खराब हो चुके हैं कि अब चोर केवल बंद खदानों और औद्योगिक परिसरों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि श्रमिकों के आवासों की छतों पर चढ़कर चोरी और उत्पात मचा रहे हैं,रात होते ही क्षेत्र में भय का माहौल बन जाता है और कर्मचारी परिवार खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, स्थानीय लोगों का आरोप है कि सुरक्षा व्यवस्था लगभग नदारद है और पुलिस गश्त की कमी ने चोरों के हौसले और बुलंद कर दिए हैं।

» रात में 'तांडव', तांबे के तार मुख्य निशाना «

जानकारी के अनुसार,चोरों का गिरोह खास तौर पर तांबे के विद्युत केबल और लोहे के सामान को निशाना बना रहा है,बंद पड़ी खदानों, पावर हाउस और अन्य औद्योगिक स्थलों पर बार-बार चोरी की कोशिशें हो रही हैं, कर्मचारियों का कहना है कि चोरों को अच्छी तरह पता है कि एसईसीएल क्षेत्र में कौन-सी चीजें महंगी हैं और उसी हिसाब से वे केबल काटकर ले जाते हैं,जिन्हें बाद में ऊंचे दामों पर बेचा जाता है, स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह कोई छोटा-मोटा गिरोह नहीं,बल्कि संगठित तरीके से काम करने वाला समूह है, जो लंबे समय से क्षेत्र में सक्रिय है।

» सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल «

कटकोना क्षेत्र में मौजूद पुलिस सहायता केंद्र पर अक्सर ताला लटका रहने की बात सामने आई है, लोगों का कहना है कि रात के समय पुलिस की गश्त लगभग नहीं के बराबर रहती है,इसी वजह से चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम देते हैं,कुछ कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस की गाड़ियां एसईसीएल के डीजल से चलती हैं, लेकिन क्षेत्र में हो रही चोरी रोकने के लिए गंभीर प्रयास नजर नहीं आते।

» चोरी रोकने पर कर्मचारियों से बदसलूकी «

कई कर्मचारियों ने बताया कि जब भी चोरी रोकने की कोशिश की जाती है, चोर आक्रामक हो जाते हैं, कुछ मामलों में कर्मचारियों को बंधक बनाने,पथराव करने और धमकाने तक की घटनाएं सामने आई हैं, इससे श्रमिकों और उनके परिवारों में डर का माहौल बना हुआ है।

» अब श्रमिक आवास भी नहीं सुरक्षित «

सबसे चिंताजनक बात यह है कि चोर अब श्रमिक आवासों को भी निशाना बना रहे हैं। लोगों का कहना है कि रात में बदमाश छतों पर चढ़कर एल्यूमिनियम के जाल उखाड़ लेते हैं, दरवाजों पर दस्तक देकर लोगों को डराते हैं और आसपास पथराव भी करते हैं, एक कर्मचारी ने बताया, रात में हर आवाज पर डर लगता है, बच्चों और बुजुर्गों को लेकर परिवार दहशत में जी रहा है। अब घर भी सुरक्षित नहीं रहे।

» पिछले कई वर्षों से जारी है चोरी का सिलसिला «

कटकोना कॉलरी क्षेत्र में केबल चोरी और लोहे के सामान गायब होने की घटनाएं कोई नई नहीं हैं, पिछले कई सालों से यह समस्या बनी हुई है, लेकिन चोरों के गिरोह तक पुलिस की पहुंच अब तक नहीं हो सकी है, सवाल यह भी उठ रहा है कि चोरी का सामान खरीदने वाले लोग कौन हैं और उन पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही।

» प्रबंधन की भूमिका पर भी सवाल «

स्थानीय कर्मचारियों का आरोप है कि एसईसीएल प्रबंधन अपनी परिसंपत्तियों की निगरानी तक सीमित नजर आता है, जबकि श्रमिकों और उनके परिवारों की सुरक्षा पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा, लोगों ने मांग की है कि कॉलरी क्षेत्र में सुरक्षा गार्डों की संख्या बढ़ाई जाए और पुलिस के साथ समन्वय बनाकर नियमित गश्त शुरू की जाए।

» लोगों की मांग-सुरक्षा बढ़े,चोरों पर लगे लगाम «

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की है, उनका कहना है कि यदि जल्द ही सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं की गई, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

घुघरा में 'जंगल कैफे' का शुभारंभ,बसन्तोत्सव में शामिल हुई मुख्यमंत्री की पत्नी कौशल्या साय-पर्यटन,संस्कृति और सियासत का दिखा संगम

पत्रकारों के सवालों पर अधूरे विद्युतीकरण और पंडो जनजाति के जाति प्रमाणपत्र मुद्दे को सरकार तक पहुँचाने का भरोसा, विधायक की गैरमौजूदगी और 'सुपर CM' वाले तंज से बढ़ी राजनीतिक चर्चा

बसन्तोत्सव में शामिल होकर किया 'जंगल कैफे' का उद्घाटन

-संवाददाता-
कोरिया,06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी एवं कंवर समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कौशल्या साय ने कोरिया जिले के सोनहत ब्लॉक स्थित घुघरा गांव पहुंचकर बसन्तोत्सव कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'जंगल कैफे' का फीता काटकर औपचारिक शुभारंभ किया। कार्यक्रम में ग्रामीणों का उत्साह देखने लायक रहा और पारंपरिक स्वागत के साथ उनका अभिनंदन किया गया।

पर्यटन और स्थानीय रोजगार को मिलेगा नया आयाम

उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में श्रीमती साय ने कहा कि जंगल कैफे प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय स्वाद का अनूठा संगम है, उन्होंने विश्वास जताया कि यह कैफे क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा और स्थानीय युवाओं तथा महिला स्व-सहायता समूहों को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराएगा, उन्होंने कैफे की बनावट और आसपास के प्राकृतिक वातावरण की सराहना करते हुए इसे क्षेत्रीय पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया।

आध्यात्मिक संदेश के साथ संस्कृति से जुड़ने का आह्वान

बसन्तोत्सव के मंच से श्रीमती कौशल्या साय ने आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों पर जोर देते हुए कहा कि हमारी जड़ें हमारी संस्कृति और अध्यात्म में निहित हैं,उन्होंने कहा कि बसन्तोत्सव जैसे आयोजन लोगों को प्रकृति, परंपराओं और सामाजिक एकता से जोड़ते हैं। कार्यक्रम के दौरान कंवर समाज और स्थानीय ग्रामीणों ने पारंपरिक नृत्य-गीतों के माध्यम से उनका भव्य स्वागत किया।

जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की रही मौजूदगी

कार्यक्रम में बैकुण्ठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े,भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी,कलेक्टर कोरिया,जिला पंचायत सीईओ,जनपद सीईओ सहित स्थानीय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। मंच से नेताओं ने क्षेत्र में पर्यटन विकास और महिला सशक्तिकरण को लेकर सरकार की योजनाओं का उल्लेख किया।

'लखपति दीदी' की दिशा में बढ़ रहीं महिलाएं : देवेंद्र तिवारी

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की पहल से गांव-गांव में महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों की महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं और लखपति दीदी की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

'हमर पहुनी आइन हैं':भईयालाल राजवाड़े का भावुक स्वागत

पूर्व मंत्री और विधायक भईयालाल राजवाड़े ने छत्तीसगढ़ी अंदाज में श्रीमती साय का स्वागत करते हुए कहा...आज हमर पहुनी आइन है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी का क्षेत्र में आगमन सौभाग्य की बात है और उनके आशीर्वाद से सोनहत क्षेत्र में विकास और पर्यटन को नई रफ्तार मिलेगी।

पत्रकारों के सवालों पर दिया जवाब...

कार्यक्रम के बाद पत्रकारों ने क्षेत्र में अधूरे विद्युतीकरण और लंबे समय से बंद पड़े कार्यों को लेकर सवाल किए। इस पर श्रीमती कौशल्या साय ने कहा कि इन समस्याओं से सरकार को अवगत कराया जाएगा और समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे,विशेष पिछड़ी जनजाति पंडो के जाति प्रमाण-पत्र से जुड़ी जटिलताओं पर भी उन्होंने गंभीरता दिखाई। उन्होंने कहा कि इस संबंध में शिकायतें मिली हैं और जशपुर क्षेत्र में भी पंडो जनजाति निवास करती है, इसलिए इस गंभीर विषय पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया जाएगा।

स्थानीय विधायक की गैरमौजूदगी बनी चर्चा का विषय

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय विधायक की अनुपस्थिति राजनीतिक चर्चा का केंद्र बनी रही। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए श्रीमती साय ने संतुलित बयान दिया और कहा कि सबका अपना-अपना कार्य होता है,संभव है कि विधायक किसी अन्य कार्यक्रम में व्यस्त रही हों। उन्होंने सहज अंदाज में कहा–हम लोग यहां संभाल लिए तो बहन हमारी कहीं और संभाल ली।

सोशल मीडिया पर 'सुपर सीएमओं' वाला तंज, सियासत में हलचल

जंगल कैफे के उद्घाटन के बाद पूर्व विधायक की सोशल मीडिया पोस्ट ने सियासी माहौल को और गर्म कर दिया। काल्पनिक CM दीदी और सुपर CM जैसे शब्दों के इस्तेमाल को राजनीतिक हलकों में सत्ता के भीतर दो केंद्रों की ओर इशारा माना जा रहा है। इस पोस्ट के बाद समर्थकों और विरोधियों के बीच बहस तेज हो गई है और उद्घाटन का कार्यक्रम राजनीतिक विमर्श का विषय बन गया है।

पर्यटन, संस्कृति और राजनीति–तीनों का मिला संगम-

घुघरा में आयोजित बसन्तोत्सव और जंगल कैफे का उद्घाटन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं रहा,बल्कि इसमें पर्यटन विकास,सामाजिक संदेश और सियासी चर्चाओं का अनूठा मिश्रण देखने को मिला। अब देखना होगा कि सरकार तक पहुँचाए जाने वाले स्थानीय मुद्दों पर आगे क्या कार्रवाई होती है और यह पहल क्षेत्र के पर्यटन को कितनी नई पहचान दिला पाती है।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय में परीक्षा पे चर्चा

'परीक्षा को उत्सव की तरह लें-समय प्रबंधन और तनाव मुक्त तैयारी के गुण सीखे छात्र-छात्राओं ने

-संवाददाता-
एमसीबी,06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय में आयोजित 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम का नौवां संस्करण विद्यार्थियों के लिए उत्साह और प्रेरणा से भरपूर रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संवाद को सुनते हुए छात्र-छात्राओं ने परीक्षा से जुड़े तनाव को दूर करने और बेहतर तैयारी के लिए कई उपयोगी टिप्स सीखे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करना और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना रहा। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि परीक्षा को बोझ नहीं बल्कि उत्सव की तरह लें। उन्होंने समय प्रबंधन, स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक संतुलन बनाए रखने पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को रोजाना अपने कार्यों की योजना बनाने,साथियों के साथ सहयोग बढ़ाने और निरंतर अभ्यास करने की सलाह दी। कार्यक्रम जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मिरे के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रामाश्रय शर्मा, ए.पी.सी. सूर्योदय सिंह,ए.डी.पी.ओ. गणेश यादव सहित शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को उपयोगी और प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि इससे परीक्षा के प्रति उनका डर कम हुआ और तैयारी के प्रति नई ऊर्जा मिली। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को तनावमुक्त वातावरण में सीखने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे शिक्षा प्रणाली को अधिक छात्र-केंद्रित बनाने में मदद मिलती है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर ,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ई्श्तेहार

रा0प्र0क्र0 अ-6/2025 26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण शीलादेवी पति स्व. गणेश प्रसाद साहू, रूपेश गुप्ता, राजेश गुप्ता, रितेश गुप्ता, नितेश गुप्ता आ.स्व. गणेश प्रसाद साहू सभी निवासी बोरीपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के पति / पिता द्वारा अनावेदक इन्द्र मोहन बोरी आठ ए.आर बौरी, निवासी देवीगंज रोड़ के स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल प्लॉट नं. 1801 /4836/ 24 में से रकबा 0.05 डिसमिल भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 30.11.1978 के माध्यम से क्रय किया गया है । अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र विलेख के आधार पर उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र विलेख की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है ।अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनाक 20/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं । नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपात पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।
आज दिनांक 29/01/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील
नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर ,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0-/अ-20(1)/2025-26

ई्श्तेहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक डॉ0 नरेन्द्र प्रसाद शर्मा आ0 स्व0 अखिलानंद शर्मा, जाति ब्राहम्ण, निवासी दर्रीपारा (पुराना पोस्ट ऑफिस रोड़) अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है, उसके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि मोहल्ला दर्रीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 4176 / 2, 4177 / 5 रकबा 0.03, 0.19 एकड़ भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। जिसके नवीनीकरण हेतु आवेदक द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-18/02/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।
आज दिनांक-03/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील
नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर सरगुजा

कलेक्टर का दौरा या फाइलों का दौरा? घोटाला वहीं का वहीं!

धान कम,एंट्री ज्यादा-सिस्टम का नया गणित!

उठाओ के नाम पर सेटिंग! क्या जीरो में दब जाएगा करोड़ों का खेल?

जांच चल रही है पर कार्रवाई छुट्टी पर! कैमरे देख रहे, सिस्टम सो रहा?'

धान खरीदी या राजनीतिक मैनेजमेंट सेंटर? फाइलों में सख्ती,जमीन पर नरमी!

घोटाला दिख रहा साफ, फिर भी आदेश-सब जीरो करो!

राइस मिलर बने संकटमोचक या संकट के सूत्रधार?

किसान का नाम, माफिया का धान-किसका खेल?

सवालों से घिरी खरीदी व्यवस्था, जवाब देने को कोई तैयार नहीं!

धान खरीदी के अंतिम चरण में रीसाइक्लिंग एवं TO / DO के विरुद्ध पेपर खरीदी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु SOP

1. 23 जनवरी 2026 तक की गयी धान खरीदी का नोडल अधिकारियो के माध्यम से इसी सप्ताह भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करा लिया जावे एवं उसका पंचनामा, स्टैक रिकॉर्ड के साथ फोटोग्राफी भी की जावे |
2. नोडल अधिकारी द्वारा किये गए भौतिक सत्यापन का रैंडम आधार पर वरिष्ठ अधिकारियो की टीम गठित कर क्रॉस वेरिफिकेशन किया जावे |
3. नोडल अधिकारियो को पूर्व में ही यह अवगत करा दिया जावे कि उनके द्वारा किये गए भौतिक सत्यापन का क्रॉस वेरिफिकेशन कराया जाएगा |
4. आगामी सप्ताह में 27 जनवरी से की जाने वाली धान खरीदी की स्टैकिंग पूर्णतः अलग की जावे एवं यह सुनिश्चित किया जावे की DO/TO के माध्यम से इस स्टैक से परिवहन न हो |
5. भौतिक सत्यापन की समावधि/ उसके पश्चात TO के माध्यम से धान का परिवहन दिनांक 23 जनवरी तक भौतिक सत्यापन किये गए स्टैक से ही किया जावे |

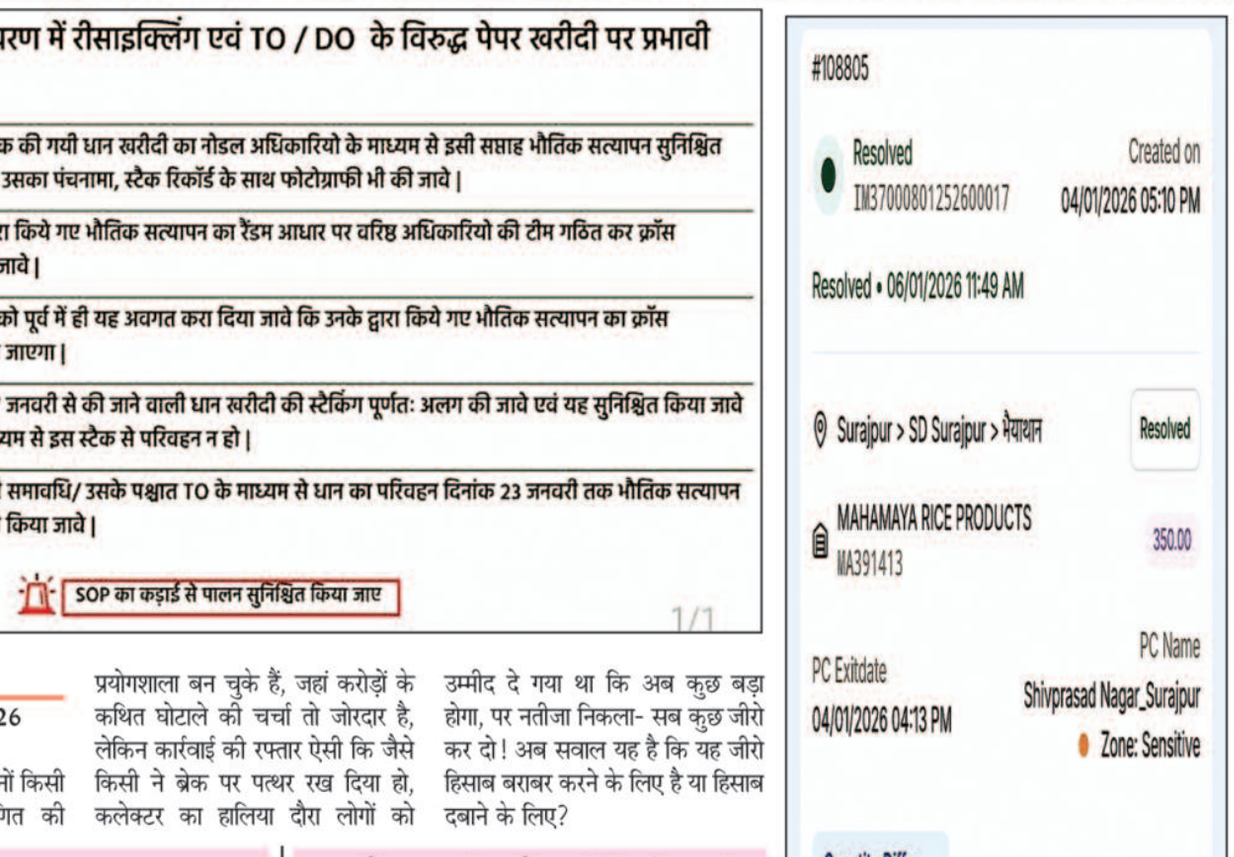

SOP का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए

1/1

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,06 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। जिले के धान खरीदी केंद्र इन दिनों किसी कृषि व्यवस्था से ज्यादा गणित की प्रयोगशाला बन चुके हैं, जहां करोड़ों के कथित घोटाले की चर्चा तो जोरदार है, लेकिन कार्रवाई की रफ्तार ऐसी कि जैसे किसी ने ब्रेक पर पत्थर रख दिया हो, कलेक्टर का हालिया दौरा लोगों को उम्मीद दे गया था कि अब कुछ बड़ा होगा, पर नतीजा निकला- सब कुछ जीरो कर दो! अब सवाल यह है कि यह जीरो हिसाब बराबर करने के लिए है या हिसाब दबाने के लिए?

दौरा हुआ,कैमरे चमके...और फिर फाइलों में सन्नाटा...

कलेक्टर के दौरे को लेकर पहले से ही माहौल गर्म था, लोगों को लगा कि इस बार धान खरीदी केंद्रों में चल रहे कथित खेल पर सख्त कार्रवाई होगी,मगर दौरे के बाद जो चर्चा निकली,वह किसी व्यंग्य से कम नहीं- धान उठाओ और खरीदी का हिसाब मिलाकर जीरो करो। अब आम लोग पूछ रहे हैं कि जब भौतिक सत्यापन में कमियां सामने आ चुकी हैं, तो फिर अचानक यह 'जीरो' का गणित किस किताब से निकला?

धान कम,एंट्री ज्यादा...सिस्टम का नया फार्मूला?

स्थानीय सूत्रों और कर्मचारियों की मानें तो कई केंद्रों में जितनी खरीदी दर्ज है, उतना धान जमीन पर नजर ही नहीं आता,किसानों के खातों में पैसा जरूर पहुंचा,मगर आरोप यह भी है कि उसी पैसे का चक्कर लगाकर कुछ लोगों ने फायदा उठाया,कहा जा रहा है कि खाली रकबे और अंतर राशि के लालच में कागजों पर धान बढ़ता गया और गोदामों में सन्नाटा बना रहा,अगर यह सच है,तो फिर सवाल उठना लाजिमी है...क्या सरकारी खजाना सिर्फ एंट्री देखकर ही खुल जाता है?

एसओपी का हाल : आदेश जारी,पालन गायब...

धान खरीदी के अंतिम चरण में शासन ने स्पष्ट एसओपी जारी किया था- 23 जनवरी तक भौतिक सत्यापन,पंचनामा, फोटोग्राफी और क्रॉस वेरिफिकेशन अनिवार्य था, 27 जनवरी से नई स्टैकिंग अलग रखनी थी और परिवहन भी सत्यापित स्टॉक से ही होना था,लेकिन आरोप है कि शिवप्रसादनगर में एसओपी सिर्फ पोस्टर तक सीमित रहा,अलग स्टैकिंग नहीं हुई,पुराने और नए स्टॉक का मिश्रण बना रहा और परिवहन भी बिना पारदर्शी सत्यापन के चलता रहा,व्यंग्य यह है कि नियम इतने साफ थे कि समझाने की जरूरत नहीं थी,फिर भी पालन नहीं हुआ, यानी या तो आदेश को हल्के में लिया गया या फिर किसी ने जानबूझकर आंखें मूंद लीं।

एआई कैमरा : तकनीक जागी,जिम्मेदारी सोई?

सरकार ने धान खरीदी में पारदर्शिता के लिए एआई कैमरे लगाए थे ताकि हर गतिविधि पर नजर रहे, 4 जनवरी 2026 की एआई रिपोर्ट में दर्ज है कि शिवप्रसादनगर से 350 क्विंटल धान लेकर एक गाड़ी महामाया राइस प्रोडक्ट्स गई, लेकिन फोटो एनालिसिस में संदेह जताया गया कि गाड़ी में लगभग 875 बोरी धान होना चाहिए था, जो नजर नहीं आया, सिस्टम ने साफ लिखा- 'Quantity Difference', और उपार्जन केंद्र व मिल का भौतिक सत्यापन करने की सिफारिश भी की, यहां से कहानी और दिलचस्प हो जाती है, रिपोर्ट में मामला बाद में Resolved दिखाया गया, अब सवाल है- क्या जांच सच में हुई या सिर्फ स्क्रीन पर हरे रंग का टिक लगाकर फाइल बंद कर दी गई? अगर PV हुआ तो उसका सार्वजनिक रिकॉर्ड कहां है?

सूरजपुर से विशेष व्यंग्यात्मक रिपोर्ट

शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र इन दिनों प्रशासनिक पारदर्शिता का नहीं बल्कि व्यवस्थित अव्यवस्था का मॉडल बन चुका है,यहां नियम-कायदे ऐसे गायब हैं जैसे बैठक में चाय खत्म होते ही नेता गायब हो जाते हैं, आरोप है कि घोटाला मगरमच्छ के आकार का है, लेकिन जांच कछुए की चाल से भी धीमी चल रही है-शायद इसलिए ताकि सच मंज़िल तक पहुंचते-पहुंचते थक जाए।

माफिया राज का 'लोकल मैनेजमेंट मॉडल'

स्थानीय चर्चाओं में कहा जा रहा है कि इस केंद्र में कौन प्रभारी बनेगा, यह फाइल नहीं बल्कि 'नेटवर्क' तय करता है, रात के अंधेरे में बारदाना बाहर निकलने की बातें हो रही हैं और कैमरे भी कथित तौर पर उतने ही सक्रिय हैं जितनी चुनाव के बाद जनता की समस्याएं।

कैमरे देख रहे, सिस्टम सो रहा?

धान खरीदी केंद्रों में लगाए गए एआई कैमरे और सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था का उद्देश्य पारदर्शिता और गड़बड़ियों पर रोक लगाना था, लेकिन अब सवाल यह उठ रहा है कि जब हर गतिविधि कैमरों में रिकॉर्ड हो रही है, तो फिर कथित अनियमितताएं कैसे जारी हैं, स्थानीय लोगों का कहना है कि एआई कैमरे ट्रकों की आवाजाही,बोरियों की गिनती और स्टॉक की स्थिति तक दर्ज कर रहे हैं, बावजूद इसके जमीन पर स्थिति बदलती नजर नहीं आती, आलोचकों का तंज है कि कैमरे तो सब देख रहे हैं, मगर सिस्टम जैसे आंखें मूंदे बैठा है-रिपोर्ट बनती है, फुटेज मौजूद है, फिर भी कार्रवाई का पहिया धीमा क्यों है? प्रशासन का पक्ष है कि सभी डेटा की जांच प्रक्रिया जारी है और तथ्यों के आधार पर ही निर्णय लिया जाएगा, लेकिन जनता के मन में यह सवाल लगातार गूंज रहा है कि आखिर एआई निगरानी का फायदा कब दिखेगा।

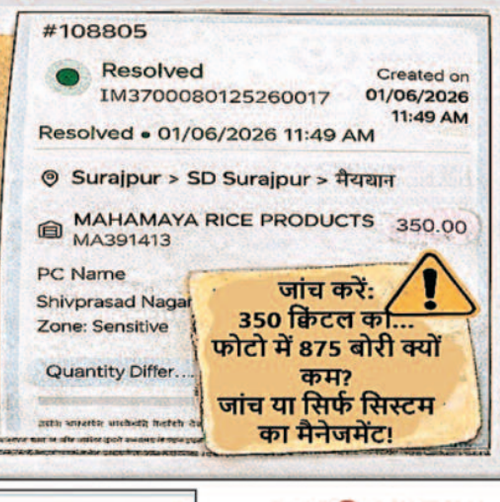

एआई कैमरों की आंखों में भी धूल?

इलाके में अब यह व्यंग्यात्मक चर्चा तेज हो गई है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि घोटालेबाज सिर्फ सिस्टम ही नहीं,बल्कि एआई कैमरा और सीसीटीवी जैसी आधुनिक निगरानी व्यवस्था को भी मात देने की तैयारी में हैं, लोगों का कहना है कि कैमरे हर गतिविधि रिकॉर्ड कर रहे हैं,फिर भी अगर गड़बड़ियां सामने नहीं आ रहीं या कार्रवाई धीमी दिख रही है,तो सवाल उठना स्वाभाविक है, कुछ आलोचक तंज कसते हैं कि सिस्टम पर बैठे जिम्मेदार लोग कहीं मूक दर्शक बनकर पूरे खेल को देखते तो नहीं रह जाएंगे और बाद में जांच के नाम पर सब कुछ सामान्य बताकर क्लीन चिट दे दी जाएगी, हालांकि प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि सभी फुटेज और डेटा की जांच प्रक्रिया जारी है और अंतिम निर्णय तथ्यों के आधार पर ही लिया जाएगा, लेकिन जनता के बीच यह शंका लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है।

राइस मिलर- उद्योगपति या 'मैनेजमेंट गुरु'?

चर्चा का दूसरा बड़ा किरदार हैं राइस मिलर,कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि धान उठाव के असली मास्टरमाइंड वही हैं, जो ऊपर तक दौड़ लगाकर पूरे मामले को ठंडा करने में जुटे हैं,हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इलाके में यह चर्चा खूब चल रही है कि मिलरों के बिना यह गणित संभव ही नहीं,सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या उद्योग और राजनीति का यह गठजोड़ अब प्रशासन पर भी भारी पड़ रहा है?

» घोटालेबाजों का आत्मविश्वास-जैसे पहले ही मिल गई क्लीन चिट!

धान खरीदी केंद्रों में काम करने वाले कई लोगों का कहना है कि जिन पर आरोप हैं, उनके चेहरे पर जरा भी डर नहीं दिख रहा, उल्टा वे बड़े आत्मविश्वास से कह रहे हैं कि सब सेट है, आखिर में हिसाब बराबर हो जाएगा। व्यंग्य यह कि यहां घोटाले से ज्यादा भरोसा 'मैनेजमेंट' पर दिखाई दे रहा है- जैसे सिस्टम खुद ही खुद को माफ करने की तैयारी में हो।

» शिवप्रसादनगर से टुकुडांड तक- नाम वही,कहानी एक

शिवप्रसादनगर, बनजा, सूरजपुर, सावराव और टुकुडांड समेत कई केंद्रों में अनियमितताओं की चर्चा है, भौतिक सत्यापन में कमियां मिलने की बात कही जा रही है, लेकिन कार्रवाई फिलहाल उठाव के बाद वाली लाइन में अटकी हुई है, लोग तंज कस रहे हैं कि शायद उठाव का इंतजार इसलिए है ताकि जो बचा-खुचा सच है, वह भी ट्रकों के साथ रवाना हो जाए।

» कलेक्टर दबाव में या सिस्टम का हिस्सा?

क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि प्रशासन पर राजनीतिक और आर्थिक दबाव बढ़ चुका है, कुछ लोग कह रहे हैं कि अब बड़ी कार्रवाई की उम्मीद कम ही है, क्योंकि मामला ऊपर तक पहुंच चुका है,हालांकि प्रशासन की ओर से बार-बार यही कहा जा रहा है कि जांच निष्पक्ष होगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

» अंतिम सवाल जीरो होगा घोटाला या भरोसा?

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि यह 'जीरो' किसका होगा- घोटाले का या जनता के भरोसे का? अगर सब कुछ ठीक था तो दौरे की जरूरत क्यों पड़ी, और अगर गड़बड़ी थी तो कार्रवाई क्यों नहीं दिख रही? धान खरीदी का यह पूरा मामला अब सिर्फ आर्थिक नहीं,बल्कि राजनीतिक व्यंग्य का विषय बन चुका है, जहां किसान, कर्मचारी और आम लोग बस यह देख रहे हैं कि आखिर इस खेल का असली विजेता कौन होगा- सिस्टम या सच?

विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही 9 फरवरी तक स्थगित

केंद्रीय मंत्री बिट्टू बोले...राहुल पीएम की पाठशाला जाएं तो कामयाब होंगे...

नई दिल्ली,06 फरवरी 2026। संसद में शुक्रवार को भी लोकसभा में हंगामा और नारेबाजी हुई। पहली बार 3 मिनट और दूसरी बार 7 मिनट तक ही कार्यवाही चल सकी। इसके बाद लोकसभा 9 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा को भी सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा...उन्हें कल सबने बालक कहा। आज पीएम की पाठशाला थी,जिसमें बच्चों को कामयाब होना बताया गया। अगर राहुल भी पीएम की पाठशाला में चले जाएं तो जिंदगी में कामयाब हो जाएंगे। गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव हंगामे के बीच पास कर दिया गया। लोकसभा में 2004 के बाद पहली बार यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना पास हुआ है। वहीं राज्यसभा में पीएम नरेंद्र मोदी के भाषण के बाद प्रस्ताव पास हुआ था।

कांग्रेस सांसद बोले...पीएम 56 के सीने वाले,ड्रामा क्यों कर रहे...

स्पीकर ओम बिरला के सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पीएम मोदी से लोकसभा में भाषण न देने के लिए कहने पर, कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा...हम विश्वगुरु हैं। हमारे प्रधानमंत्री 56 इंच सीने वाले नेता हैं और पाकिस्तानियों का उनके घर में भी सामना कर सकते हैं। वे ऐसा ड्रामा क्यों कर रहे हैं और ऐसा झूठ क्यों फैला रहे हैं? लोकसभा वह जगह है जहां से उन्हें चुना गया है। वह उसके सदस्यों में से एक हैं। वे सांसदों पर आरोप लगा रहे हैं।

निशिकांत बोले...देश की समस्याएं नेहरू-गांधी परिवार की देन हैं...

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा...'हम जब 2014 में सरकार में आए तब पारदर्शिता है। लेकिन इस देश के बच्चों को ये नहीं पता कि इस देश में आज जो भी समस्याएं हैं वो नेहरू,गांधी परिवार की देन हैं। जो नेहरू गांधी परिवार ने किया है उसे जानने का अधिकार लोगों को है। इसलिए मैं लाइब्रेरी बनाऊंगा। मैंने देशभर के लोगों से आग्रह किया है कि आपके पास जो किताबें हैं उनकी जानकारी दीजिए, हम वो सब किताबें खरीदेंगे और सब जनता को बताएंगे। वो वन रिसर्च सेंटर होगा।'

जो उचित समझो वही करो : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने शुक्रवार को राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण पर तंज कसते हुए कहा, 'जो उचित समझो वही करो'।

पीएम ने सभी सांसदों को भी असुरक्षित महसूस कराया : तिवारी

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने स्पीकर ओम बिरला के पीएम मोदी से सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए लोकसभा भाषण छोड़ने के लिए कहने पर कहा, 'खुद को लोकसभा में असुरक्षित मानकर,आपने सभी सांसदों को भी असुरक्षित महसूस कराया।'

राज्यसभा में शून्यकाल,खड़गे बोले...10 साल में सिर्फ कांग्रेस को गाली दी...

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा...हम सिख समुदाय का सम्मान करते हैं,मनमोहन सिंह हमारी सरकार में वित्त मंत्री थे। बीजेपी सिखों,दलितों,आदिवासियों का सम्मान नहीं करती, पिछले 10 सालों में कांग्रेस को गाली देने के अलावा कुछ नहीं किया। खड़गे का यह बयान पीएम की राज्यभा में स्पीच पर आया है। जब पीएम ने कहा था कि कांग्रेस के अंदर सिखों के प्रति कूट-कूट करके नफरत भरी पड़ी है।

मणिपुर में नए डिप्टी सीएम के विरोध में हिंसा भड़की

प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों को बैरक में धकेलने की कोशिश की,टायर जलाए,पत्थरबाजी की...

इंफाल,06फरवरी 2026। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में हिंसा भड़क गई। नए उपमुख्यमंत्रियों नेम्चा किपेन और लोसी दिखो के शपथ ग्रहण के खिलाफ प्रदर्शन हिंसक हो गया। जिले के तुइबोंग मेन मार्केट इलाके में सैकड़ों युवा प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों को वापस उनकी बैरक में धकेलने की कोशिश की। जब सुरक्षाबलों ने बात मानने से इनकार कर दिया तो पत्थरबाजी शुरू हो गई। कुछ लोगों ने सड़क के बीच में टायर जला दिए। आदिवासी संगठन जॉइंट फोरम ऑफ सेवन ने कुकी-बहुल चुराचांदपुर में शुक्रवार सुबह 6 से 12 घंटे का बंद बुलाया है। वहीं, कुछ संगठनों ने नेम्चा किपेन को मारने वाले को 20 लाख और विधायकों एलएम खाउते, एन सेनाते को मारने वाले को 10-10 लाख इनाम देने का ऐलान किया है।

डिप्टी सीएम और 3 विधायकों का विरोध

नई सरकार में नेम्चा किपेन के डिप्टी सीएम बनने पर कुकी समुदाय बंट गया है। एक संगठन ने विश्वासघात व मैतेई से गठबंधन का आरोप लगाकर सरकार में शामिल तीनों कुकी विधायकों के सामाजिक बहिष्कार की घोषणा की है। तीन कुकी जो-मी विधायक मणिपुर सरकार में शामिल हैं, जिसमें नेम्चा ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है और अन्य दो,एलएम खाउते और नगुर्संगलुर, जल्द ही शपथ लेने वाले हैं। इसका पता चलने के बाद प्रदर्शनकारियों में गुस्सा और भड़क गया। सूत्रों

के मुताबिक,हिंसा में कुकी जो-मी लोगों को बहुत नुकसान हुआ है। इंफाल में दिनदहाड़े सैकड़ों लोगों की हत्या कर दी गई और उनकी लाखों की संपत्ति जला दी। उनके चर्चों को भी आग लगा दी गई।

असम राइफल्स को हालात संभालने की जिम्मेदारी

असम राइफल्स को स्थिति को शांत करने के लिए तैनात किया गया था,लेकिन शुरुआती प्रयासों में बहुत कम सफलता मिली। अंत में सुरक्षाबलों को अस्थायी रूप से पीछे हटना पड़ा। इसके बाद भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे गए। हिंसा अभी भी जारी है। क्षेत्र में माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग को गर्भपात की परमिशन दी

नई दिल्ली,06 फरवरी 2026। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 17 साल की एक नाबालिग लड़की की 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी को मेडिकल टर्मिनेट करने की परमिशन दी। कोर्ट ने कहा कि किसी महिला, खासकर नाबालिग को, उसकी इच्छा के खिलाफ प्रेग्नेंसी जारी रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जवल भुयान की बेंच ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को रद्द किया। कोर्ट के सामने मामला एक नाबालिग लड़की का था, जो पड़ोस के एक लड़के के साथ रिश्ते के दौरान प्रेग्नेंट हो गई थी और उसने मांग की है कि उसकी प्रेग्नेंसी खत्म कर दी जाए। कोर्ट ने मुंबई के जेजे हॉस्पिटल को निर्देश दिया कि वे सावधानियों को ध्यान में रखते हुए लड़की का मेडिकल गर्भपात करें। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में कहा गया था कि यदि गर्भावस्था को पूरा समय दिया जाए तो मां और बच्चे की जान को कोई तुरंत कोई खतरा नहीं है। इसके बावजूद कोर्ट ने कहा कि मां की इच्छा और उसका अपने शरीर पर अधिकार सबसे ज्यादा जरूरी है। अगर कोई महिला, खासकर नाबालिग प्रेग्नेंसी जारी नहीं रखना चाहती तो कोर्ट उसे मजबूर नहीं कर सकता। कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब 24 हफ्ते तक गर्भपात की अनुमति हो सकती है, तो फिर 30 हफ्ते में क्यों नहीं। कई बार किसी महिला को यह फैसला लेने में समय लग जाता है कि वह प्रेग्नेंसी खत्म करना चाहती है या नहीं। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि यदि अदालतें ऐसे मामलों में मेडिकल टर्मिनेशन की अनुमति नहीं देतीं तो महिलाएं गैर-कानूनी और असुरक्षित तरीकों का सहारा लेने को मजबूर होंगी। झोलाछाप डॉक्टरों के पास जाएंगी जो बहुत खतरनाक हो सकता है।

'घूसखोर पंडत' फिल्म पर प्रतिबन्ध लगाए सरकार : मायावती

लखनऊ, 06 फरवरी 2026। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रचारित-प्रसारित की जा रही फिल्म 'घूसखोर पंडत' को प्रतिबन्ध लगाने की मांग की है। वहीं, इस फिल्म के नाम और उसकी सामग्री को लेकर ब्राह्मण समाज और विभिन्न सामाजिक संगठनों में आक्रोश है। विभिन्न संगठनों ने शुक्रवार को इसके विरोध में कई जिलों में उग्र प्रदर्शन किया। बसपा प्रमुख मायावती ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, यह बड़े दुख व चिन्ता की बात है कि पिछले कुछ समय से अकेले यूपी में ही नहीं बल्कि अब तो फिल्मों में भी 'पंडत' को घूसखोर आदि बताकर पूरे देश में जो इनका अपमान व अनादर किया जा रहा है। इससे समूचे ब्राह्मण समाज में इस समय ज़बरदस्त रोष व्याप्त है, इसकी हमारी पार्टी भी कड़े शब्दों में निन्दा करती है। उन्होंने कहा कि पार्टी मांग करती है कि ऐसी इस जातिसूचक फिल्म (वेब सीरीज) 'घूसखोर पंडत' पर केन्द्र सरकार को तुरन्त प्रतिबन्ध लगाना चाहिए। इसको लेकर लखनऊ पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज करना उचित कदम है। उल्लेखनीय है कि फिल्म 'घूसखोर पंडत' के निर्देशक के खिलाफ राजधानी की कोतवाली हजरतगंज में एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई समाज में वैमनस्य फैलाने, धार्मिक एवं जातिगत भावनाओं को आहत करने और शांति व्यवस्था को भंग करने के प्रयास के आरोप में की गई है। विवादित फिल्म 'घूसखोर पंडित' पर लखनऊ में एफआईआर दर्ज होने के बाद अभिनेता मनोज बाजपेयी का बयान सामने आया है। अभिनेता ने एक्स पर कहा कि वह लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हैं और किसी समुदाय को ठेस पहुँचाने का इरादा नहीं था। उन्होंने बताया कि फिल्म के प्रमोशनल मटेरियल को जनभावनाओं के सम्मान में हटाने का फैसला लिया गया है।

दिल्ली...देह व्यापार रैकेट का पर्दाफाश कर 11 युवतियां मुक्त कराई गईं,10 आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली,06 फरवरी 2026। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका इलाके में पुलिस ने शुक्रवार को बड़े देह व्यापार रैकेट का पर्दाफाश किया। डाबड़ी थाना पुलिस ने एक घर पर छापा मारकर 11 युवतियों को मुक्त कराया, जिनमें 5 नाबालिग हैं। पुलिस ने मौके से 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस छापेमारी से पूर्व एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (एवीए) की तरफ से जानकारी जुटा कर दक्षिण पश्चिम दिल्ली पुलिस के उपायुक्त को बताया गया कि इन किशोरियों को नौकरी का झांसा देकर पश्चिम बंगाल, असम और उत्तर प्रदेश से लाया गया। पुलिस की छापेमारी में 11 युवतियों को मुक्त कराया गया और मौके से 8 ग्राहकों और दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, जिनपर अड्डे के संचालक होने का संदेह है। इस दौरान आपत्तिजनक सामान भी जब्त किया गया। पुलिस इस संगठित गिरोह के अन्य नेटवर्क की जांच कर रही है।

परीक्षा पे चर्चा...पीएम ने बच्चों को असम के गमछे पहनाए

एक साल में हर विदेशी चीज स्वदेशी से बदलें : पीएम मोदी

नई दिल्ली,06 फरवरी 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें एडिशन में देशभर से आए बच्चों से मुलाकात की। दिल्ली स्थित पीएम आवास पर मोदी ने पहले बच्चों को असम के गमछे पहनाए और फिर उनके सवालों के जवाब दिए। पहले एपिसोड में मोदी ने बच्चों को विदेशी चीजें छोड़कर स्वदेशी चीजें अपनाने की सलाह दी। साथ ही, बच्चों से कहा कि वो 25 साल में विकसित भारत बनाने को अपना सपना बनाएं।

विकसित भारत को अपना सपना बनाएं : पीएम मोदी

जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे तब आप लोग 39-40 साल के होंगे। आपको अभी से विकसित भारत को अपना सपना बनाना चाहिए। भगत सिंह आजादी का सपना दिल में रखकर फांसी पर झूल गए। जो आजादी से 25 साल पहले, 30 साल पहले बलिदान किए गए, उसी से आजादी मिली।

खुद पर भरोसे से भगाएं...कोई भी डर...

स्टूडेंट ने सवाल किया कि प्रेजेंटेशन देते समय मैं घबरा जाता हूं। इस डर को कैसे भगाऊंपीएम ने कहा...कभी देखा है कि फुटपाथ पर कोई गरीब महिला भी जब टीवी पर किसी घटना के बारे में बताती है तो कितने आत्मविश्वास से बात करती है। क्या उसने इंटरव्यू की कोई प्रैक्टिस की है नहीं। उसका आत्मविश्वास आता है सच्चाई है। उसे पता है कि उसने जो देखा वही कहना है। आप भी अपने किए हुए पर भरोसा रखें तो प्रेजेंटेशन का डर भाग जाएगा।

देश की अमर कहानियों पर गेम बनाओ...

गोवा के श्रीजीत गाडगिल ने सवाल किया, मेरा गेमिंग में बहुत इंटरेस्ट है। मगर पेरेंट्स नहीं समझते। मैं क्या करूं। पीएम ने जवाब दिया- भारत देश कहानियों से भरा हुआ है। आप खुद के गेम बनाओ। पंचतंत्र की कहानियों पर गेम बनाओ। अभिमन्यु की कहानी पर गेम बनाओ और अपनी वेबसाइट बनाकर उसपर लॉन्च करो। धीरे-धीरे देखोगे कि कितने लोग तुम्हारे गेम्स खेल रहे हैं।

मार्क्स-मार्क्स की बीमारी से बचो...

एक स्टूडेंट के सवाल के जवाब में पीएम मोदी ने कहा- पता नहीं ये माक्स-माक्स की बीमारी कैसे फैल गई है। आप लोगों को पिछले साल के टॉप 1 से 10 तक के नाम याद हैं क्या ये उप्लब्धि तो कुछ देर के लिए होती है। हमें ये देखना चाहिए कि पढ़ाई से हमारे जीवन पर क्या असर हुआ है। न कि ये कि हमारे मार्क्स कितने आए हैं।

स्किल या मार्क्स में से एक के पीछे न भागो...

एक स्टूडेंट ने पीएम से सवाल किया कि स्किल जरूरी है या मार्क्स पीएम मोदी ने कहा कि इस सवाल का कोई सही जवाब नहीं है। अगर एक तरफ झुकोगे तो गिरोगे ही। जीवन में स्किल की जरूरत तो होगी ही और स्टूडेंट होने के नाते मार्क्स लाने भी जरूरी हैं। सही जवाब है कि दोनों के बीच संतुलन चाहिए। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का अगला एपिसोड 9 फरवरी सुबह 10 बजे जारी होगा।

ओडिशा के रायगढ़ा और कंधमाल में 19 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

55 लाख के इनामी निखिल और रश्मीता लेंका भी शामिल,14 हथियार बरामद

भुवनेश्वर,06 फरवरी 2026। ओडिशा पुलिस ने माओवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अपने सघन अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। रायगढ़ा और कंधमाल जिलों में कुल 19 माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़ते हुए पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। आत्म समर्पण करने वाले माओवादियों में निखिल उर्फ निरंजन राउत व अंकिता उर्फ रश्मीता लेंका भी शामिल हैं। इन दोनों पर कुल 55 लाख रुपये का इनाम घोषित था। यह उपलब्धि राज्य सरकार के उस लक्ष्य की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है,जिसके तहत 31 मार्च से पहले ओडिशा को माओवाद मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक योगेश बहादुर खुरानिया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि माओ प्रभावित जिलों में

चलाए जा रहे अभियानों को और अधिक प्रभावी एवं निर्णायक बनाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की पुनर्वास एवं आत्मसमर्पण नीति हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने के इच्छुक माओवादियों के लिए एक कारगर विकल्प के रूप में सामने आई है। इस नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को सुरक्षा, सरकारी सुविधाएं और सम्मानजनक भविष्य के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। रायगढ़ा जिले में बंशधारा-घुमुसर-नागावली डिवीजन के कुल 15 माओवादी कैडरों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें दो वरिष्ठ राज्य समिति सदस्य निखिल उर्फ निरंजन राउत,निवासी जगतसिंहपुर, और अंकिता उर्फ रश्मीता लेंका,निवासी टांगी (कटक) शामिल हैं। इन दोनों पर कुल 55 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनके साथ बंशधारा-घुमुसर-नागावली डिवीजन के 13 अन्य माओवादी कैडरों ने भी हथियार डाल दिए। आत्मसमर्पण के दौरान पुलिस ने 14 अत्याधुनिक हथियार जब्त किए, जिनमें दो एके 47,पांच एसएसआर,एक स्टेन गन, एक इनसास राइफल,एक.303 राइफल और चार सिंगल शॉट गन शामिल हैं।

आप नेता लक्की ओबेरॉय की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

जालंधर,06 फरवरी 2026। पंजाब के जालंधर में आम आदमी पार्टी के नेता लक्की ओबोराय की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह वारदात शुक्रवार को मॉडल टाउन इलाके में गुरुद्वारा साहिब के बाहर हुई,जहां हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। लक्की ओबोराय के शरीर में करीब पांच गोलियां लगीं। गोलीबारी के बाद उन्हें गंभीर हालत में तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हमलावरों ने उनकी कार को भी निशाना बनाया, जिससे वाहन के शीशे टूट गए और कार गोलियों से छलनी हो गई। जानकारी के अनुसार,लक्की ओबोराय रोजाना की तरह सुबह करीब 8:15 बजे गुरुद्वारा साहिब

में मत्था टेकने पहुंचे थे। इसी दौरान गुरुद्वारे के बाहर घात लगाए बैठे हमलावरों ने उन पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि हमलावर थार गाड़ी में सवार थे और उन्होंने 7 से 8 राउंड फायर किए, जिनमें से कुछ गोलियां लक्की की छाती और सिर में लगीं। इस घटना ने पंजाब में पहले हुई हाई-प्रोफाइल हत्याओं की याद दिला दी है।

अमित शाह ने अपने जम्मू दौरे पर भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर स्थित 'गुरनाम' और 'बोबिया' बॉर्डर आउट पोस्ट का दौरा किया

देश की सीमाओं पर अतिक्रमण और घुसपैठ के खिलाफ बीएसएफ एक अभेद्य दीवार बनकर खड़ा रहा और देश को सुरक्षित किया : अमित शाह

नई दिल्ली,06 फरवरी 2026। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपने जम्मू दौरे पर भारत-पाकिस्तान की सीमा पर स्थित बॉर्डर आउट पोस्ट 'गुरनाम' और 'बोबिया' का दौरा किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने 'अजेय प्रहरी' स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और बीओपी 'बोबिया' परिसर में पौधारोपण भी किया। शाह ने प्रहरियों के कल्याण के लिए 7 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें नवनिर्मित सोलर वॉटर हीटर, सोलर पावर प्लांट और ऑफिसर्स मेस शामिल हैं। उन्होंने सीमा सुरक्षा बल की 242 करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज

सिन्हा,केन्द्रीय गृह सचिव,आसूचना ब्यूरो के निदेशक और सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीमा सुरक्षा बल के जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि वे जब भी कच्छ, राजस्थान या जम्मू-कश्मीर के दुर्गम स्थानों पर स्थित बीएसएफ की किसी भी चौकी पर जाते है वहाँ पर तैनात बीएसएफ जवानों से हमेशा कर्तव्यबोध और कर्तव्य-निर्वहन के गुण सीखकर लौटते हैं। शाह ने कहा कि इन दुर्गम चौकियों के दौरे के समय वे यह देखते हैं कि कैसे सीमा पर तैनात बी एस एफ जवान गहरी लगन के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि बीएसएफ के जवान कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण का सर्वोत्तम उदाहरण हैं जो दिन-रात सीमा पर अडिग खड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ जवानों के 60 वर्षों के इस पराक्रमपूर्ण इतिहास ने देश की जनता के मन में भी यही भावना पैदा की है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब-जब देश की सीमाओं पर अतिक्रमण या घुसपैठ का खतरा मंडराया, बीएसएफ हमेशा एक अभेद्य दीवार की तरह डटा रहा, अडिग रहा और देश को सुरक्षित रखने का दृढ़ संकल्प निभाता रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में बीएसएफ के शौर्य और वीरता ने हमारे छह दशक के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ा है। उस कठिन घड़ी में भी बीएसएफ के जवानों ने 'हम सीमा के प्रहरी हैं' के भाव को हमेशा बुलंद रखा। उन्होंने कहा कि बीएसएफ के जम्मू-कश्मीर फ्रंटियर ने 118 पाकिस्तानी पोस्टों और तीन आतंकी लॉन्च पैड को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज़ अहमद और सिपाही दीपक चिंखाम को वीर चक्र से सम्मानित किया गया। यह हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है। शाह ने कहा कि इसी दौरान बीएसएफ को 16 वीरता पदक और अनेक प्रशस्ति पत्र भी प्राप्त हुए।

CMYK

बस्तर पंडुम 2026...आज जगदलपुर आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

संभाग स्तरीय कार्यक्रम का करेंगी शुभारंभ,आदिवासी संस्कृति और परंपरा को देखेंगी,ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

जगदलपुर,06 फरवरी 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज बस्तर दौरे पर रहेंगी। वे जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित बस्तर पंडुम के संभाग स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगी। बस्तर की कला,संस्कृति और आदिवासी परंपरा को करीब से देखेंगी। इस कार्यक्रम की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सैकड़ों जवानों की तैनाती की गई है। पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी भी जारी की है। राष्ट्रपति अपने दौरे के दौरान बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति,परंपरा और लोककलाओं को नजदीक से देखेंगी। आयोजन स्थल पर विशाल और भव्य मंच का निर्माण किया गया है। मंच और परिसर को आदिवासी कला, पारंपरिक प्रतीकों, रंगों और सजावट से संवारा जा रहा है,ताकि बस्तर की सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जा सके। बस्तर पंडुम के तहत विभिन्न जनजातियों के पारंपरिक नृत्य,लोकगीत,वाद्ययंत्र,वेशभूषा और रीति-रिवाजों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी

जाएंगी। राष्ट्रपति के स्वागत,सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और कार्यक्रम संचालन को लेकर प्रशासनिक अमला पूरी तरह मुस्तैद है। वरिष्ठ अधिकारी लगातार तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं, ताकि कार्यक्रम सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू स्वयं आदिवासी महिला हैं और ऐसे में उनका आदिवासी बहुल बस्तर क्षेत्र में आना विशेष महत्व रखता है। यह दौरा आदिवासी समाज के लिए सम्मान, आत्मगौरव और पहचान का प्रतीक माना जा रहा है। स्थानीय लोग इसे केवल राष्ट्रपति का आगमन नहीं,बल्कि अपनी बेटी या बहन के बीच आने के रूप में देख रहे हैं। राष्ट्रपति की उपस्थिति से बस्तर पंडुम को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है। इससे बस्तर की लोकसंस्कृति,कला और परंपराएं देशभर में और अधिक प्रभावी ढंग से सामने आएंगी। साथ ही,यह दौरा आदिवासी महिलाओं और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत भी बनेगा,यह संदेश देते हुए कि संघर्ष,शिक्षा और आत्मविश्वास से कोई भी सर्वोच्च मुकाम तक पहुंच सकता है। बस्तर जैसे संवेदनशील और लंबे समय तक उपेक्षित रहे क्षेत्र में राष्ट्रपति का आगमन यह भी दर्शाता है कि लोकतंत्र और संविधान बस्तर के साथ खड़े हैं। यह दौरा विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक सम्मान और संवाद की दिशा में एक मजबूत संकेत माना जा रहा है।

ये रहेगा रूट मैप

राष्ट्रपति के बस्तर दौरे को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। साथ ही आम लोगों के लिए ट्रैफिक और पार्किंग का मैप जारी किया गया है। लालबाग स्थित आयोजन स्थल के आसपास विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि वीवीआईपी मूवमेंट किसी भी तरह से प्रभावित न हो। प्रशासन की तरफ से जारी मैप के अनुसार पार्किंग को अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया है। राष्ट्रपति के काफिले के लिए लालबाग ग्राउंड को पी-1 (वीवीआईपी) पार्किंग के रूप में आरक्षित किया गया है। मुख्य मंच पर आने वाले राजदूतों और विशिष्ट अतिथियों की वाहनों के लिए लालबाग पीटीएस ग्राउंड में वीआईपी-1 पार्किंग तय की गई है। मीडिया कर्मियों और कार पास वालों के लिए क्यूरो इंडिया स्कूल के पीछे का मैदान और सनसिटी कॉलोनी में वीआईपी-2 पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। वरिष्ठ अधिकारियों के वाहन को-ऑर्डिनेशन सेंटर और अमर वाटिका में खड़े किए जाएंगे। कार्यक्रम में शामिल होने वाली आम जनता के लिए शहर के विभिन्न मार्गों से आने वाले वाहनों की अलग-अलग पार्किंग जोन तय किए गए हैं।

इन मार्गों से आने वाले लोग रखे इसका ध्यान

रायपुर,भानपुरी,बस्तर,बकावंड और नगरनार मार्ग के साथ-साथ लोहंडीगुड़ा,गीदम और सुकमा की ओर से आने वाले वाहनों को कुम्हड़ाकोट गणपति रिसोर्ट के सामने मैदान और रिलायंस पेट्रोल पंप के पास (पी-7 से पी-9) पार्क किया जाएगा। भीड़ अधिक होने की स्थिति में कृषि उपज मंडी और हाता ग्राउंड को रिजर्व पार्किंग के रूप में तैयार रखा गया है। यातायात विभाग ने आम नागरिकों के लिए अहम सूचना जारी की है। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत लालबाग, सनसिटी मार्ग से आमागुड़ा चौक पार्किंग की ओर आवागमन की अनुमति वीवीआईपी आगमन से केवल दो घंटे पहले तक ही रहेगी। इसके बाद मुख्य मार्ग बंद कर दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट का बड़ा फैसला..

बिना कारण पति से अलग रहने वाली महिला गुजारा भत्ता की हकदार नहीं

रायपुर,06 फरवरी 2026। अगर कोई शादीशुदा महिला बिना किसी जायज वजह से अपने पति से अलग रहती है तो वह गुजारा भत्ता की हकदार नहीं है। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने यह बड़ा फैसला एक मामले की सुनवाई के बाद दिया है। कोर्ट ने टिप्पणी की है कि सिर्फ शादीशुदा होना गुजारा भत्ता मांगने का आधार नहीं है बल्कि दंपति के व्यवहार को भी देखना होगा। कोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार, एक महिला ने याचिका दायर कर क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता की मांग की थी। वह शादी के चार दिन बाद से ही पति से अलग रह रही है। ससुराल छोड़ने से पहले उसने अपने पति पर दहेज उत्पीड़न और शारीरिक शोषण का आरोप लगाया था। महिला ने दावा किया था कि ससुराल वालों ने उससे दहेज में 10 लाख रुपये और कार की डिमांड की थी। सुनवाई के दौरान उसके पति ने बताया कि उन्होंने साथ रहने की कई बार पहल की थी। फैमिली में वैवाहिक स्थिति को बहाल करने और पत्नी की वापसी के लिए उसने कानून का दरवाजा भी खटखटाया था। वक्त बीतने के बाद महिला ने बिलासपुर की फैमिली कोर्ट ने याचिका दायर गुजारा भत्ते की मांग की, जो खारिज हो गई। इसके बाद महिला ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट पहुंची। हाई कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद फैमिली कोर्ट के आदेश को सही ठहराया। बेंच ने कहा कि जब कोई पत्नी बिना किसी उचित कारण के अपना ससुराल छोड़ देती है और पति के कानूनी प्रयासों के बावजूद वापस आने से इनकार करती है, तो उसे गुजारा भत्ता मांगने का हक नहीं है। सीआरपीसी की धारा 125 भी उन मामलों में गुजारा भत्ता देने से रोकता है, जहां पत्नी बिना किसी पर्याप्त कारण के अलग रहती है।

असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर के खिलाफ एनएसयूआई का प्रदर्शन....

नकली दवाओं के कारोबारियों से सांठगांठ का आरोप,संजय नेताम के खिलाफ की नारेबाजी

रायपुर,06 फरवरी 2026। नकली दवाओं के कारोबारियों से कथित सांठगांठ के आरोपों में घिरे असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर संजय नेताम के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने को लेकर एनएसयूआई ने मोर्चा खोल दिया है। एनएसयूआई कार्यर्ताओं ने शुक्रवार को रायपुर तहसील ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने ड्रग कंट्रोलर संजय नेताम के खिलाफ नारेबाजी की। एनएसयूआई का आरोप है कि रायपुर के टैन कैफे में नकली दवाओं के कारोबारी के साथ संजय नेताम की बैठक कैमरे में कैद हुई थी। इसके बावजूद अब तक न तो संबंधित अधिकारी पर कोई कार्रवाई हुई और न ही नकली दवाओं के कारोबारियों पर शिकंजा कसा गया है। संगठन का कहना है कि यह पूरा मामला बीजेपी सरकार के संरक्षण को दर्शाता है, जिसमें दोषी अधिकारियों और दवा माफियाओं को बचाया जा रहा है। एनएसयूआई नेताओं ने कहा कि नकली दवाओं का कारोबार सीधे आम जनता की सेहत से जुड़ा हुआ है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी ही अगर इसमें शामिल होंगे तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह प्रदर्शन एनएसयूआई रायपुर जिला अध्यक्ष शांतनु झा के नेतृत्व में किया गया। झा ने बताया अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

राष्ट्रपति पदक विजेता कमलोचन कश्यप को संविदा नियुक्ति

रायपुर,06 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ सरकार ने डीआईजी पद से रिटायर हुए राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा मेडल पुरस्कृत आईपीएस कमलोचन कश्यप को पुलिस मुख्यालय का नया ओएसडी (विशेष कर्तव्य पर तैनात अधिकारी) नियुक्त किया है। उन्हें संविदा नियुक्ति दी गई है। गृह (पुलिस) विभाग की ओर से आदेश जारी किया गया है। वो 30 दिसंबर को 2025 उप पुलिस महानिरीक्षक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। जारी आदेश में बताया गया है कि यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम, 2012 के नियम 4(4) के तहत की गई है। कमलोचन कश्यप की संविदा नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से एक साल की अवधि और आगामी आदेश तक जो भी पहले हो मान्य रहेगी। संविदा सेवा से जुड़ी शर्तें पृथक से जारी की जाएंगी। पुलिस मुख्यालय में ओएसडी के रूप में कमलोचन कश्यप को नीति-निर्धारण, विशेष परियोजनाओं की मॉनिटरिंग, समन्वय और महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यों में जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। उनके लंबे सेवा अनुभव और मैदानी कार्यशैली को देखते हुए शासन ने उन्हें यह जिम्मेदारी दी है।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़...3 नक्सली ढेर

गढ़चिरौली में शहीद जवान को गार्ड ऑफ ऑनर,परिजनों ने दी अंमित विदाई

जगदलपुर,06 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर पुलिस और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में 3 नक्सली ढेर हुए। वहीं महाराष्ट्र का एक जवान शहीद हो गया,1 अन्य जवान घायल है। 6 फरवरी की सुबह अबूझमाड़ के जंगल में दोनों ओर से हुई गोलीबारी में महाराष्ट्र के सी-60 कमांडोज ने 3 नक्सलियों को मार गिराया। इस दौरान नक्सलियों की ओर से फायरिंग में गोली कॉन्स्टेबल दीपक चिन्ना मदावी (38 साल) को जा लगी। उन्हें तुरंत एयरलिफ्ट कर भामरागड़ के अस्पताल लाया गया। जहां ऑपरेशन के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मामला महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के भामरागढ़ तहसील क्षेत्र का है। शहीद जवान दीपक को गार्ड ऑफ ऑनर देकर शव गृहग्राम रवाना किया गया है।

दूसरा जवान घायल,स्थिति खतरे से बाहर

इस मुठभेड़ में एक और जवान किष्ट्यापल्ली के रहने वाले जोगा मदवी को भी रात में एक गोली लगी थी। उन्हें भी एयरलिफ्ट करके भामरागड़ लाया गया। उनकी हालत खतरे से बाहर है।

3 नक्सलियों के शव और हथियार बरामद

मुठभेड़ इलाके से तीन माओवादियों के शव (2 पुरुष और एक महिला) बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही एके-47 और एक एलएलआर राइफल बरामद की गई है। मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है। मुठभेड़ की पुष्टि महाराष्ट्र पुलिस ने की है। इलाके में ऑपरेशन और तलाशी अभियान जारी है।

1 दिन पहले छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर एनकाउंटर

एक दिन पहले 5 फरवरी को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सली कमांडर उधम सिंह का एनकाउंटर किया था। उधम सिंह 2021 में हुए टेकुलगुड़ेम एनकाउंटर में शामिल था। जहां नक्सली हमले में 22 जवान शहीद हुए थे।

1 साल में 232 नक्सली मारे गए

बीजापुर एसपी डॉ जितेंद्र कुमार यादव के मुताबिक 2025 में जिले में हुए अलग-अलग मुठभेड़ों में 163 माओवादी मारे गए, वहीं, 2026 में अब तक 11 माओवादी ढेर चुके हैं। जनवरी 2024 से अब तक जिले में 232 नक्सली मारे गए, 1163 गिरफ्तार हुए और 888 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए हैं।

अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण की पहली बैठक

स्थानीय जरूरतों और जन आकांक्षा के अनुरूप स्वीकृत होंगे विकास कार्य : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,06 फरवरी 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण की प्रथम बैठक जिला मुख्यालय दुर्ग स्थित लोक निर्माण विभाग के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में प्राधिकरण के अंतर्गत स्वीकृत प्रमुख विकास कार्यों, प्राधिकरण मद से निर्माणाधीन कार्यों के अनुमोदन, प्रावधानित बजट तथा नवीन स्वीकृत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों के सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के पिछड़ा वर्ग समुदाय के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक उत्थान के लिए संचालित योजनाओं की प्रगति का आकलन करना और भावी विकास रणनीतियों का निर्धारण करना था, ताकि विकास का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक प्रभावी रूप से पहुंच सके। मुख्यमंत्री साय ने प्राधिकरण के अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वीकृत बजट का समय पर एवं पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का लाभ सीधे आमजन तक पहुँचना चाहिए और इसके लिए सभी स्तरों पर सतत निगरानी आवश्यक है।

शैक्षणिक सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर जोर : उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। इसके अंतर्गत क्षेत्रीय नेतृत्व से परामर्श लेकर अल्पकालिक योजनाओं का निर्माण, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार तथा जन अपेक्षाओं के अनुरूप छोटे-छोटे निर्माण कार्यों की त्वरित स्वीकृति का प्रावधान किया गया है। प्राधिकरण के अंतर्गत राज्य के 35 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों में आधारभूत नागरिक सुविधाओं के विकास, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रोत्साहन, शैक्षणिक सुविधाओं तथा स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

साथ ही शिक्षा एवं छात्रावासों के विकास पर प्रमुख रूप से जोर दिया गया है और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने को लेकर भी बैठक में चर्चा की गई।

अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्रों के हित को प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले के अंतर्गत स्वीकृत सभी विकास कार्यों, सेवाओं एवं कार्यक्रमों का बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्रों के हित को प्राथमिकता में रखते हुए सभी स्वीकृत निर्माण कार्यों को अविलंब पूर्ण किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 से लेकर वित्तीय वर्ष 2024-25 तक स्वीकृत निर्माण एवं विकास कार्यों की जिलेवार समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने प्रगति की स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने ऐसे विकास कार्य जो अब तक अप्रारंभ हैं अथवा प्रगतिरत हैं, उन्हें चिन्हित करते हुए दो माह की समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कलेक्टरों से प्रत्यक्ष संवाद कर कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

छत्तीसगढ़ में रेलवे अधोसंरचना को मिली रफ्तार,7,470 करोड़ का बजट अनुदान मंजूर

बिलासपुर,06 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण को निरंतर गति प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेल ने वर्ष 2026-27 के लिए राज्य को 7,470 करोड़ का बजट अनुदान प्रदान किया है। इस अनुदान के माध्यम से राज्य में रेल संपर्क को मजबूत करने, यात्री सुविधाओं में सुधार,माल परिवहन क्षमता बढ़ाने और सुरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न विकासात्मक कार्य किए जा रहे हैं। वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य में 51,080 करोड़ की लागत की रेल परियोजनाएं विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं। इन परियोजनाओं के अंतर्गत नई रेल लाइनों का निर्माण, अतिरिक्त लाइनों का विकास, स्टेशनों का पुनर्विकास, रेल संरक्षा कार्य तथा आधुनिक तकनीक आधारित अवसंरचना का विकास किया जा रहा है, जिससे राज्य के औद्योगिक,सामाजिक एवं आर्थिक विकास को निरंतर बल मिल रहा है। बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी लाइन परियोजना शामिल है, जिसकी कुल लंबाई 206 किलोमीटर तथा लागत 2,135.34 करोड़ है। इस परियोजना के अंतर्गत अब तक 175 किलोमीटर से अधिक चौथी रेल लाइन का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जिससे इस व्यस्त रेलखंड पर परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बिलासपुर-नागपुर रेल खंड पर बिलासपुर से गोंदिया के बीच विभिन्न खंडों (पैचों) में चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है।

दल्लीराझरा-रावघाट नई रेल लाइन परियोजना, जिसकी कुल लंबाई 95 किलोमीटर एवं लागत 16,275.56 करोड़ है, के अंतर्गत 77.35 किलोमीटर नई रेल लाइन का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। यह परियोजना विशेष रूप से दुर्गम एवं आदिवासी क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

बस्तर ओलंपिक : पीएम मोदी ने संसद में की छत्तीसगढ़ के विकास की सराहना

रायपुर,06 फरवरी 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में अपने संबोधन के दौरान बस्तर के बदलते स्वरूप और 'बस्तर ओलंपिक' की सफलता का विशेष उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि जो क्षेत्र कभी पिछड़ेपन और उपेक्षा के लिए जाना जाता था, आज वह देश के विकास की मुख्यधारा से जुड़कर अपनी नई पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले जिन जिलों को 'पनिशमेंट पोस्टिंग' के लिए चुना जाता था, वहां अब युवा और होनहार अधिकारियों की तैनाती से सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं। बस्तर के कई गांवों में पहली बार बस सेवा शुरू हुई है, जिसे ग्रामीणों ने उत्सव की तरह मनाया है। यह बदलाव बुनियादी सुविधाओं की पहुंच और प्रशासनिक सुधारों का नतीजा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री के वक्तव्य पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बस्तर प्राकृतिक संपदा से समृद्ध है और अब यहां नक्सलवाद अंतिम सांसे ले रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प से बस्तर अब भय की जगह संभावनाओं का केंद्र बन चुका है।

'मैं अभी जीवित हूं' गले में तख्ती लटकाकर कांग्रेस भवन पहुंचे मतदाता,धनेन्द्र साहू ने कहा- जनाधार खोने के डर...

रायपुर,06 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर सियासत गर्मा गई है। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू ने निर्वाचन आयोग और भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए इसे एक बड़ी साजिश करार दिया है। कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कई बुजुर्ग और ग्रामीण गले में मैं अभी जीवित हूं की तख्ती लटकाकर पहुंचे, जिनके नाम मतदाता सूची में मृत बताकर काट दिए गए हैं। धनेन्द्र साहू ने आरोप लगाया कि अभनपुर विधानसभा क्षेत्र में फॉर्म-7 के जरिए लगभग 21 हजार मतदाताओं के नाम सूची

से हटा दिए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा अपना जनाधार खोने के डर से विपक्षी वोटरों के नाम कटवा रही है। जब कांग्रेस ने निर्वाचन अधिकारी से इन फॉर्म्स की जानकारी मांगी, तो उन्हें आपत्तियां दिखाने से इनकार कर दिया गया। पूर्व विधायक ने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा कि मतदाता सूची से हटाए गए नामों में 70 प्रतिशत नाम मुस्लिम समुदाय के हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने जब 914 नामों की जांच की, तो वे सभी व्यक्ति अपने गांव और वार्ड में जीवित पाए गए। धनेन्द्र साहू के अनुसार, बीएलओ पर भाजपा नेताओं का भारी दबाव है और बीएलए से जबरन हस्ताक्षर करवाकर नाम विलोपित करने की शिकायतें की जा रही हैं। धनेंद्र साहू ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया में जिनका नाम कटा है, उनमें 70 प्रतिशत नाम मुस्लिम मतदाताओं के हैं। यह साजिश केवल अभनपुर में नहीं हो रही है। इधर बीएलए का कहना है कि उन्होंने आपत्ति नहीं की, भाजपा पार्टी के बड़े पदाधिकारी आए और साइन करवा लिए। धनेंद्र साहू ने कहा यह एक बड़ा षड्यंत्र है, जितने बीएलए हैं वह दूसरे गांव में शिकायत कर रहे हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)